CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-154
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 08 सितम्बर 2024

आज का विचार

कपड़े से तो परदा होता है हिफाजत तो निगाहों से होती है

जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे गाने वाले कन्हैया मित्तल बोले-

मेरा मन कांग्रेस से जुड़ रहा है

'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' जैसा चर्चित गीत गाने वाले कन्हैया मित्तल कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। एक टीवी चैनल से चर्चा में खुद कन्हैया मित्तल ने इसके स्पष्ट संकेत दिए। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले यह भाजपा के लिए एक और बड़ा झटका है। कन्हैया मित्तल ने कहा कि मेरा मन कांग्रेस से जुड़ रहा है। हालांकि यह नहीं बताया कि कांग्रेस में किस दिन शामिल होंगे। यह जरूर बोले कि मेरी बात चल रही है। सब कुछ ठीक रहा, तो कांग्रेस में जाऊंगा। माना जा रहा है कि कांग्रेस कन्हैया को विधानसभा टिकट दे सकती है और अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल कर सकती है।बकौल कन्हैया मित्तल, मैं कभी भाजपा का नहीं था। भाजपा ने इसका प्रचार जरूर किया, लेकिन मुझ पर भाजपा का ठप्पा लगने से कई प्रताड़नाएं भी सहना पड़ीं। कन्हैया मित्तल ने महिला पहलवानों के साथ हुए घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पहलवानों को न्याय नहीं मिला है। यही कारण है कि विनेश फोगाट ने कांग्रेस का दामन थामा। कन्हैया मित्तल ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भाजपा के लिए प्रचार नहीं किया। उनके गाए गानों का इस्तेमाल भाजपा ने किया। इसके बदले में एक कलाकार के लिए कुछ किया जाना था, जो नहीं किया गया। बकौल कन्हैया मित्तल, जहां तक राम मंदिर का सवाल है। मैंने पहले भी कहा था कि यदि मनमोहन सिंह सरकार राम मंदिर बनवाती, तो मैं उनका भी समर्थन करता। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा या कांग्रेस, किसका पलड़ा भारी है, इस पर कन्हैया मित्तल ने कहा कि अभी तो फिफ्टी-फिफ्टी है। सब कुछ जनता-जनार्दन के हाथ है।

104 दिन लगातार किया काम, सिर्फ एक दिन की ली छुट्टी

अंग फेल होने से 30 साल के युवक की मौत

नई दिल्ली। दुनिया की फैक्ट्री कहे जाने वाले चीन से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक की मौत अधिक काम की वजह से हो गई। युवक की उम्र महज 30 साल की थी। अदालत ने कंपनी को मृतक के परिवार को मुआवजा देने का आदेश दिया है। जान गंवाने वाला युवक पेंटर का काम करता था। युवक ने लगातार 104 दिनों तक काम किया था। इस बीच उसने सिर्फ एक दिन की छुट्टी ली थी।मामला पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत का है। मृतक युवक की पहचान अबाओ के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि न्यूमोकोकल संक्रमण की वजह से युवक के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। ग्वांगझोउ डेली की रिपोर्ट के मुताबिक झेजियांग प्रांत की एक अदालत ने कंपनी को 20 प्रतिशत मौत का जिम्मेदार ठहराया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार साल 2023 के फरवरी महीने में अबाओ ने एक कंपनी से बतौर पेंटर समझौता किया था। इसके बाद अबाओ ने फरवरी से मई तक लगातार 104 दिनों तक काम किया। उसने सिर्फ छह अप्रैल को एक दिन की छुट्टी ली थी। 25 मई को उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। 28 मई को उसकी तबीयत बेहद खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर साथियों ने अबाओ को आनन-फानन अस्पताल पहुंचाया। उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। जांच में पता चला कि अबाओ के फेफड़ों में सक्रमण है। डॉक्टरों ने उसको बचाने की खूब कोशिश की। मगर कामयाबी नहीं मिली। आखिरकार एक जून को उसकी मौत हो गई। अबाओ के परिवार ने अदालत में केस दर्ज किया और मुआवजे की मांग की। इसके बाद अदालत ने परिवार को कुल 56,000 अमेरिकी डॉलर का मुआवजा देने का आदेश दिया। अब कंपनी को इस राशि का भुगतान करना होगा।

कांग्रेस का वक्त बदलने को विनेश फोगाट तैयार, बक्ता गांव से शुरू किया चुनाव प्रचार, ससुराली भी संग

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। बीजेपी-कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दल में उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर रहे हैं और टिकट पाने वाले नेता जनता की बीच पहुंचकर उनका दिल जीतने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, बीजेपी प्रदेश में तीसरी सरकार बनाने का दावा कर रही है, तो कांग्रेस भी इस बार फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। यही कारण है कि कांग्रेस ने बगावत से बचने के लिए अपने सभी सिटिंग विधायकों को फिर से टिकट दिया और पेरिस ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को भी अपने पाले में कर लिया।

भारतीय रेलवे में अब 52 वर्ष तक बन सकेंगे डीआरएम

68 रेल मंडलों के लिए नियुक्ति को लेकर नई गाइडलाइन को मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपने 68 रेल मंडलों के लिए डीआरएम की नियुक्ति को लेकर एक नई गाइडलाइन को मंजूरी दे दी है। इसमें डीआरएम बनने वाले अधिकारियों की आयु सीमा भी तय कर दी है। नए नियमों डीआरएम बनने की आयु सीमा 52 वर्ष से कम करने का फैसला लिया गया है। इसी बीच रेलवे के वरिष्ठ अफसरों ने रेलवे बोर्ड के फैसले की आलोचना करना शुरू कर दिया है।

हाल ही में जारी हुए दिशा-निदेर्शों में डीआरएम से जुड़े पात्रता में कुछ नए नियमों को शामिल किया गया है। इनमें यह भी शामिल है कि अधिकारियों को रेलवे/ रेलवे पीएसयू में न्यूनतम 15 वर्ष का करने का अनुभव होना चाहिए। हालांकि इसमें आयु सीमा में कोई छूट नहीं दी गई है। रेलवे बोर्ड ने डीआरएम चयन के लिए जिन अधिकारियों पर विचार किया जा रहा है। उनकी आयु उस रिक्ति वर्ष की पहली जनवरी को 52 वर्ष से कम होनी चाहिए। इसके लिए सिलेक्शन लिस्ट बनाई जा रही है। इसमें पिछली स्थिति को ही दोहराया गया है। रेलवे के इस निर्णय पर रेलवे के अफसर विरोध कर रहे है। नाम न छापने के अनुरोध पर एक वरिष्ठ अफसर ने कहा कि डीआरएम की नियुक्ति को उम्र के आधार पर सीमित करना सही निर्णय नहीं है। इसमें छूट की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रेलवे बोर्ड के इस फैसले से कई अफसरों का मनोबल गिरेगा। ऐसे में कई अनुभवी अधिकारियों को डीआरएम बनने का मौका नहीं मिल पाएगा।

देश के रेल मंडल को ईमानदार अधिकारी की जरूरत रेलवे के अन्य अधिकारियों का कहना है कि आज देश के रेल मंडल को ईमानदार अधिकारी की जरूरत है। इसकी कमाई हजारों-करोड़ रुपये में होती है। ऐसे में कोई भी गलत निर्णय रेलवे के लिए बड़ा झटका होता है। डीआरएम पद के लिए योग्य अधिकारियों को लगभग एक साल तक गहन प्रबंधन प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सके, क्योंकि यह एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण पद है। दूसरी तरफ रेलवे विशेषज्ञों ने रेलवे बोर्ड के इस निर्णय का स्वागत किया है कि नए दिशानिदेर्शों में डीआरएम के पद के लिए पात्र होने से पहले किसी अधिकारी के लिए रेलवे के साथ 15 वर्षों तक काम करना अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि उनके अनुसार पिछले दिशा-निदेर्शों में ऐसा नहीं था।

राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने में नहीं होगी दिक्कत

एनडीए के पास लोकसभा में बहुमत, उच्च सदन का भी रास्ता साफ

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने हाल ही में वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किया। इसके बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के लिए जेपीसी का गठन किया गया। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई दलों के 21 सांसदों को शामिल किया गया है। विधेयक को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है। हालांकि, एनडीए के पास लोकसभा में बहुमत है, लिहाजा उसे इस विधेयक को यहां पास कराने में कोई दिक्कत नहीं होगी। वहीं, राज्यसभा की बात करें तो उसके पास छह नामित सदस्यों के समर्थन के साथ मामूली बहुमत है, जिससे कहीं न कहीं उच्च सदन का भी रास्ता साफ है।

हाल ही में हुए उपचुनावों के बाद वर्तमान में राज्यसभा में 234 सांसद हैं। इसमें भाजपा के 96 सदस्य और इसके सहयोगी दलों के साथ यह संख्या 113 है। छह मनोनीत सदस्यों को मिलाकर एनडीए के सांसदों की संख्या 119 हो जाती है, जो 117 के बहुमत के आंकड़े से दो अधिक है। राज्यसभा में कांग्रेस के 27 सदस्य हैं और इसके सहयोगी दलों के 58 सदस्य हैं। इनके जुड़ने से विपक्षी गठबंधन के सदस्यों की संख्या 85 हो गई है। प्रमुख तटस्थ दलों में नौ सदस्यों वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और सात सदस्यों वाली बीजद शामिल हैं।अन्नाद्रमुक के चार सदस्य, तीन निर्दलीय और छोटे दलों के अन्य सांसद हैं, जो दोनों बड़े समूहों में से किसी से भी नहीं जुड़े हैं।

जम्मू-कश्मीर की चार सीटें खाली
जम्मू-कश्मीर से उच्च सदन में चार सीटें खाली हैं क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश को अभी तक अपनी पहली विधानसभा नहीं मिली है।

दिनदहाड़े हुई घटना में पुलिस ने की कार्रवाई, अन्य आरोपियों की जांच कर रही साइबर टीम

उज्जैन रेप कांड में वीडियो बनाने वाला नागदा से गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन में बहुचर्चित सरेराह हुए रेप का वीडियो बनाने वाले शख्स को पुलिस ने नागदा से गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो वायरल करने वाले शख्स की पहचान मो. सलीम के तौर पर हुई है। पेश से वह ऑटो चालक है। पुलिस इस मामले में और भी जांच पड़ताल कर रही है की वीडियो किसी षड्यंत्र के तहत तो वायरल नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार वीडियो बनाने वाला और वीडियो वायरल करने वाले संदिग्ध लोगों की पहचान की जा रही है। साइबर पुलिस टीम इस कार्य पर लगी हुई है। इन्हें भी आरोपी बनाने को कहा गया है। उज्जैन में कोतवाली थाना क्षेत्र के कोयला फाटक पर हुए रेप मामले में पुलिस आरोपी लोकेश को पहले ही जेल भेज चुकी है। वहीं शुक्रवार देर शाम वीडियो बनाने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मोहम्मद सलीम उज्जैन जिले के नागदा के प्रकाश नगर का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले भी मारपीट जैसी कई धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी कैमरा की मदद से आरोपी को तलाश किया। आरोपी नागदा से बस में सवार होकर आया था और वीडियो बनाकर वायरल किया।

मोहम्मद सलीम, आरोपी

वीडियो वायरल करने वालों पर भी होगी कार्रवाई

पुलिस सुपरिटेंडेंट प्रदीप शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 72,77,294 में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने जिन-जिन लोगों को वीडियो वायरल किए हैं। उसकी साइबर टीम जांच कर रही है। उन लोगों को भी आरोपी बनाया जाएगा। एसपी ने कहा, आरोपी सलीम ने वॉट्सएप ग्रुप्स पर वीडियो शेयर किया है। जिन लोगों ने वीडियो को वायरल किया, उन सभी पर आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। आरोपी सलीम पर पहले से एक केस दर्ज है। पुलिस उसका रिकॉर्ड खंगाल रही है।

षड्यंत्र का एंगल भी खोज रही है पुलिस

पुलिस पता लगा रही है कि पूरी वारदात किसी षड्यंत्र का हिस्सा तो नहीं। पुलिस उन लोगों को भी बयान के लिए बुला सकती है, जिन्होंने वीडियो वायरल किया था। एसपी के मुताबिक आरोपी पर फिलहाल अश्लील वीडियो बनाने और वायरल करने को लेकर आरोप लगे हैं। जांच की जा रही है कि सलीम वारदात में शामिल था या नहीं।

रतलाम में गणेश मूर्ति ले जा रहे लोगों पर पथराव

थाने पर हंगामे के बाद 150 लोगों पर केस दर्ज

रतलाम। मोचीपुरा चौराहे पर शनिवार रात गणेशजी की मूर्ति लेकर जा रहे लोगों पर पत्थर फेंकने से रोष फैल गया। रात करीब 10 बजे बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता स्टेशन रोड थाने पहुंचे तथा एफआईआर की मांग को लेकर घेराव कर दिया। इस बीच लोग थाने के सामने सड़क पर पहुंचे।जाम कर दिया। एफआईआर के बाद रात करीब 11.30 बजे लोग जब मोचीपुरा से वापस जा रहे थे तब विवाद की स्थिति बन गई। शरारती तत्वों ने कुछ वाहनों को गिरा दिया। इस दौरान भगदड़ मच गई। उधर, दोबत्ती क्षेत्र में भी भीड़ वापस जमा हो गई। भीड़ को आंसू गैस छोड़कर तितर-बितर किया गया। पुलिस ने इस मामले में 150 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रविवार सुबह इलाके में शांति का माहौल रहा। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दो बत्ती थाने के बाहर जाम कर रहे लोगों के बीच सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे व टीआई दिनेश भोजक, औधोगिक क्षेत्र टीआइ राजेंद्र वर्मा आदि अधिकारी पहुंचे तथा चर्चा की। लखन रजवाड़िया व काजल गुरु व अन्य लोगों ने बताया कि वे मूर्ति लेकर जुलूस के साथ जा रहे थे, तभी किसी ने अंधेरे में पत्थर फेंका। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। काफी देर तक आक्रोशित लोग थाने के बाहर नारेबाजी कर कार्रवाई की मांग करते रहे। रात करीब 11 बजे अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे ने मीडिया को बताया कि सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। एफआईआर के बाद लोग जब वापस मोचीपुरा होकर जा रहे थे तो वहां विवाद की स्थिति बन गई और कुछ पत्थर भी फेंके गए। एसपी राहुल कुमार लोढ़ा तथा एएसपी राकेश खाखा और अन्य अधिकारी भी पहुंचे तथा भीड़ को तितर-बितर किया गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

प. बंगाल में अब नाबालिग के साथ दरिंदगी

बेहोशी की हालत में सड़क किनारे फेंका

हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में एक 15 वर्षीय लड़की के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात को हुई इस घटना ने राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर गहरा सवाल खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, लड़की को बेहोशी की हालत में सड़क किनारे फेंक दिया गया था। रिपोर्ट्स की मानें तो वह जब अपने ट्यूशन से लौट रही थी तब उसे कथित रूप से एक कार में अगवा कर लिया गया। लड़की हरिपाल इलाके में बेहोशी की अवस्था में पाई गई, जहां उसके कपड़े फटे हुए थे। स्थानीय अस्पताल में लड़की का इलाज किया गया और मेडिकल जांच की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि इस मामले में फिलहाल कोई संदिग्ध नहीं है और इस समय जांच के दौरान कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। इस घटना ने पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि पुलिस इस घटना को छुपाने की कोशिश कर रही है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ममता बनर्जी की पुलिस ने अस्पताल को घेर लिया है, मीडिया को प्रवेश नहीं दिया जा रहा और स्थानीय टीएमसी नेता स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं, ताकि घटना की रिपोर्ट न हो सके।ह्व मालवीय ने ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की और राज्य को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित स्थान करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ममता बनर्जी विफल हो चुकी हैं। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। बहुत हो चुका है। उन्होंने बलात्कार और पॉक्सो मामलों को सुलझाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट भी नहीं बनाए हैं।

आधार कार्ड से पता चली सच्चाई, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर किया पुलिस के हवाले

हिंदू बनकर घुसे और तीज पूजा में महिलाओं से की छेड़छाड़

सिटी चीफ इंदौर

शहर में शुक्रवार की रात हरतालिका तीज की पूजा में महिलाओं से छेड़छाड़ की घटना हुई। राजबाड़ा पर 22 वर्षों से हो रही भजन संध्या में पहली बार इस तरह का मामला सामने आया है। पुलिस ने घटना में शामिल 8 से 10 युवकों को पकड़ा है।

टीआई दीपक यादव ने बताया कि युवकों से पूछताछ की जा रही है। उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा, फिर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता गन्नी चौकसे ने कहा कि घटना के दौरान लोगों ने खुद आरोपी युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोपी युवकों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

शुक्रवार रात राजबाड़ा पर हुई हरितालिका तीज की पूजा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। देर रात करीब 12 बजे के आसपास वर्ग विशेष के युवकों ने महिलाओं को छेड़ना शुरू कर दिया। महिलाओं को गलत तरीके से टच किया तो उन्होंने विरोध किया। मौके पर मौजूद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने युवकों को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि नाम पूछने पर लड़कों ने पहले हिन्दू नाम

बताए, शंका होने पर उनसे आईडी कार्ड मांगे गए तो वे आनाकानी करने लगे। इसके बाद कुछ युवकों के आधार कार्ड चेक किए तब उनके सही नाम पता चले। बजरंग दल का कहना है कि हमनें 14 लड़कों को पुलिस के हवाले किया गया है।

घटना के बाद युवकों की एंट्री बंद की घटना के बाद कार्यक्रम में अकेले आ रहे युवकों की एंट्री बंद कर दी गई। इसके बाद पुलिस ने सिर्फ उन्हीं युवकों को अंदर आने दिया जो किसी महिला के साथ में आ रहे थे। राजबाड़ा पर रात्रि को मातृ शक्ति के भव्य रतजगा के आयोजन में यातायात व्यवस्था संभालने में महिला पुलिस ने मोर्चा मोर्चा संभाला। विशेष रूप से ट्रैफिक टीआई राजबाड़ा प्रभारी सीमा भंडारी मय स्टाफ के साथ तैनात थीं।

आसपास के गांवों की भी महिलाएं-युवतियां होती हैं शामिल

हरतालिका का रतजगा राजबाड़ा चौक में बेहद खास होता है। निर्जला व्रत के बावजूद यहां भजनों की स्वरलहरियों और आतिशबाजी के बीच महिलाओं और युवतियों की भक्ति का उत्साह उनके नृत्य में देखने को मिलता है। शुक्रवार को रात करीब पौने 12 बजे राजबाड़ा चौक लगभग पूरा ही भर गया था। कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी भी पहुंचे और फूल बरसाकर महिलाओं का उत्साह बढ़ाया। राजबाड़ा के जनता चौक में आयोजित इस भव्य भजन संध्या में शहर ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों में भी महिलाएं और युवतियां इसमें शामिल हुईं।

उत्तर रेलवे के पलवर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण लिया निर्णय, बसों पर बढ़ा यात्रियों का दबाव

दिल्ली, कटरा, अमृतसर जाने वाली ट्रेनें 15 दिनों के लिए रद्द

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर से दिल्ली की तरफ जाने वाली कई ट्रेनें शुक्रवार से अगले दस से पंद्रह दिनों के लिए प्रभावित रहेंगी। उत्तर रेलवे के पलवर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनें शनिवार से 15 और 18 सितंबर तक रद्द की गई है। इस कारण इंदौर से दिल्ली जाने वाली बसें भी पैक जा रही है। इंदौर से दिल्ली की बस का किराया 1800 से दो हजार रुपये तक लिया जा रहा है।

इंदौर से दिल्ली जाने वाले यात्री सप्ताह में तीन दिन चलने वाली सुपर फास्ट ट्रेन (20958) में जाना पंसद करते है,क्योकि यह सुबह जल्दी गंतव्य तक पहुंचा देती है। रेल विभाग ने इसे रद्द कर दिया है, जबकि इंटरसिटी एक्सप्रेस को

बदले हुए रुट से चलाया जा रहा है। यह ट्रेन 5 से 16 सितंबर तक यह ट्रेन गंगापुर, रेवाड़ी, दौसा से होते हुए नई दिल्ली चलेगी। निर्माण कार्य के कारण उत्तर रेलवे ने पलवर स्टेशन पर ब्लॉक लिया है। इंदौर 7 सितंबर से 16 सितंबर तक इंदौर नई दिल्ली स्पेशल (20958) ट्रेन रद्द की गई है। इस ट्रेन से इंदौर से दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा यात्री सफर करते हैं।

ये ट्रेनें भी नहीं चलेंगी

इसके अलावा 5 सितंबर से 16 सितम्बर तक महू (डॉ. आम्बेडकर नगर) से चलने वाली गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर वैष्णोदेवी कटरा एक्सप्रेस रद्द की गई है। 6 से 8 सितम्बर तक श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से चलने वाली (गाड़ी संख्या 12920) वैष्णदेवी कटड़ा-डॉ.आम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन भी नहीं चलेगी। इंदौर से अमृतसर के लिए जाने वाली ट्रेन (19325) भी 10 और 13 सितम्बर तक नहीं चलेगी। इसके अलावा 8, 11,13 और 15 सितम्बर को इंदौर से चलने वाली गाड़ी (संख्या 20957) इंदौर नई दिल्ली एक्सप्रेस भी नहीं चलेगी। इंदौर-नई दिल्ली स्पेशल (गाड़ी संख्या 09309) भी 8,13 और 15 सितम्बर को इंदौर से नहीं चलेगी। यह ट्रेन वापसी में 9,14 और 16 सितंबर को रद्द रहेगी।

भंवरकुआं थाना क्षेत्र का मामला

उधारी के रुपए को लेकर प्रताड़ित किया तो अधेड़ ने दे दी जान

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एसिड पीकर जान दे दी। उसने एक किसी से 7 हजार रुपए उधार लिए थे। आरोप है कि व्यक्ति उसकी गाड़ी छीन चुका था। आए दिन पैसों के लिए जलील करता था। दो दिन पहले भी उसके साथ उसने मारपीट की थी। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम कमल पिता सेवक राम निवासी नानक नगर है। कमल के भांजे शुभम के अनुसार कमल टाइल्स लगाने का काम करता था। उसके पांच बच्चे हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। आरोप है कि जितेंद्र नामक व्यक्ति से कमल ने 7 हजार रुपए उधार लिए थे। हजारों रुपए का ब्याज जितेंद्र ले चुका है। इसके बावजूद पैसे के लिए वो लगातार परेशान कर रहा था। कुछ दिन पहले उसने कमल की गाड़ी भी छीन ली थी। परसों भी उसने कमल के साथ मारपीट की थी। कमल

इससे दुखी था। पुलिस का कहना है कि मर्ग जांच में जो भी बात सामने आएगी उस आधार पर कार्रवाई करेंगे।

नौवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

9वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। उसने ये कदम क्यों उठाया पुलिस इसकी जांच कर रही है।

छात्र का नाम बंटू पिता शेरु गहलोत निवासी नगीन नगर है। उसके चाचा के अनुसार घटना शुक्रवार दिन की है। बच्चे की मां केवाईसी के लिए गई थी जबकि पिता गाड़ी चलाने गए थे। मां लौटी तो बंटू ने दरवाजा नहीं खोला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोलकर अंदर घुसे तो देखा कि वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। फिलहाल खुदकुशी की वजह पता नहीं चली है। परिजन भी इस बारे में कुछ बता नहीं पा रहे हैं।

अवैध हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को अवैध फायर आर्म्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 6 अवैध फायर आर्म्स और दो कारतूस जब्त किए गए हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा द्वारा लगातार अवैध हथियार रखने वाले अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति हथियारों का सौदा करने के लिए शहर में ही कहीं घूम रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा मुखबिर द्वारा बताए स्थान से आरोपी.शुभम उर्फ मिंडी पिता विजय सिंह पंवार उम्र 24 साल निवासी लवकुश आवास विहार हीरा नगर और अभिषेक पिता स्व.भारत सिंह चौहान उम्र 19 साल निवासी श्याम नगर एमआर-10 को पकड़ा। उक्त संदेहियों के कब्जे से 3 देसी 32 बोर पिस्टल, 3 देसी 12 बोर के कट्टे, 2 कारतूस 32 बोर के बरामद हुए। आरोपियों के अन्य बेचे गए हथियार के बारे में पूछताछ की जा रही है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के दो गुट भिड़े

गणेशजी का चंदा देने से मना करने पर पीटा

सिटी चीफ इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खंडवा रोड कैंपस में छात्रों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। एक पक्ष ने गणेशजी का चंदा देने से मना करने पर मारपीट का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

भंवरकुआं थाना पुलिस ने छात्र हर्ष मण्डलोई उम्र 19 साल निवासी वीरसावरकर नगर की शिकायत पर आदर्श यादव, दीक्षांत पाटीदार, आदित्य बघेला, तुषार पवार के खिलाफ केस दर्ज किया है। हर्ष ने पुलिस को बताया कि वो डीएवीवी कॉलेज कैंपस खंडवा रोड पढ़ाई

करने गया था।

कॉलेज में पढ़ने वाले दीक्षांत पाटीदार ने उससे गणेशजी का चंदा मांगा। चंदा देने से मना किया तो आरोपियों ने गाली दी और मारपीट की। आदर्श और दीक्षांत पकड़कर स्कूल ऑफ सोशल साइंस के बाहर लेकर आए। बाहर खड़ी कार में सिर पटक दिया। जिससे हर्ष को चेहरे पर चोट लगी। पीछे से आदित्य ने राड से पीठ पर मारा। वहीं पुलिस ने दीक्षांत की शिकायत पर हर्ष मण्डलोई, रविराज, सुरेश मण्डलोई, अमन सिलावट के खिलाफ केस दर्ज किया है। दीक्षांत ने पुलिस को बताया कि हर्ष, रविराज, अमन आए और कहने लगे कि कॉलेज में ज्यादा नेतागिरी कर रहे हो। इसी बात को लेकर गाली दी। बाद में हर्ष के पिता सुरेश ने गार्ड से पूछा कि दीक्षांत कौन है। इसके बाद हर्ष के पिता ने गाली दी। मना करने पर लोहे की राड से हाथ में मारा। पुलिस ने दोनों पक्षों की क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में मरीमाता, बड़ा गणपति चौराहे पर शुरू नहीं हुआ फ्लाईओवर का काम

इंदौर । इंदौर शहर में सर्वाधिक व्यस्ततम चौराहों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। शहर में वर्तमान में 1× फ्लाईओवर और एक रेलवे आरओबी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। मरीमाता और बड़ा गणपति चौराहा पर भी फ्लाईओवर बनाने की कार्ययोजना करीब सात माह पहले इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा तैयार की गई थी, लेकिन इसके बावजूद अभी तक काम शुरू नहीं हो सका है। विधानसभा क्षेत्र इंदौर एक में पहली बार दो चौराहों बड़ा गणपति और मरीमाता चौराहा पर एक साथ फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार की गई थी। आईडीए ने सर्वे पूरा कर लिया गया था। दोनों चौराहों पर फ्लाईओवर के निर्माण की लागत 72 करोड़ के

करीब आंकी गई थी। इसमें मरीमाता चौराहे पर किला मैदान की तरफ से पोलोग्राउंड तक 592 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसकी लागत ×9.88 करोड़ के करीब तय की गई है। इसके नीचे पिलर नहीं आएगा।

ब्रिलियंट एकेडमी स्कूल में मामूली विवाद पर छात्र के साथ मारपीट

इंदौर। इंदौर के एक स्कूल में मामूली विवाद पर छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक क्लास में शोर होने पर पढ़ने में छात्र को डिस्टर्ब हो रहा था। उसने आपत्ति ली थी। बाद में आरोपी छात्र आपने भाई के साथ वापस स्कूल आया और गाली दी, मारपीट की। हीरानगर थाना पुलिस ने ब्रिलियंट एकेडमी स्कूल के छात्र की शिकायत पर दो लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिसमें से एक लड़का उसी के साथ क्लास में पढ़ता है। पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि वो क्लास में पढ़ाई कर रहा था। तभी साथ में पढ़ने वाला एक अन्य लड़का जोर-जोर से बातें कर रहा था। लड़के को टोका और कहा कि शोर मत करो पढ़ने में डिस्टर्ब हो रहा है। इसी बात को लेकर लड़का अपने भाई को लेकर करीब 12 बजे स्कूल आया और सुबह हुए विवाद को लेकर पीड़ित छात्र को गाली देने लगा। मना करने पर डंडे से कंधे पर मारा। पीड़ित छात्र नीचे गिर गया।

बीमारी से 15 साल के छात्र ब्लड प्रेशर गिरा, किडनी-लीवर हुए फेल

शहर में डेंगू से पहली मौत, अस्पताल में भर्ती करने के बाद 10 घंटे में तोड़ा दम

सिटी चीफ इंदौर

शहर में डेंगू से 15 साल के छात्र की मौत हो गई। यह प्रदेश की पहली मौत थी। अस्पताल में भर्ती करने के महज 8 से 10 घंटे के भीतर छात्र ने दम तोड़ दिया। अब खुलासा हुआ है कि डेंगू के दौरान ही छात्र के मल्टी ऑर्गेन फैल हो गए थे। इस दौरान ब्लड प्रेशर इतना कम हो गया कि रिकवर ही नहीं हो सका और रिकॉर्ड पर ही दर्ज नहीं हो रहा था। यह मौत की बड़ी वजह रही।

मलेरिया विभाग पहले बताता रहा कि छात्र मंसूरी अंसारी (15) की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई, लेकिन दैनिक भास्कर की पड़ताल में सामने आया कि छात्र को डेंगू हुआ था, उसी कारण पूरे शरीर में संक्रमण फैल गया और कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। ब्लड प्रेशर ज्यादा गिरते चला गया। बाद में विभाग ने माना कि डेंगू भी हुआ था। परिवार के अनुसार, 18 अगस्त को देर रात छात्र को प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया था। वहां बेड नहीं होने पर 19 की सुबह एक अन्य प्राइवेट अस्पताल ले गए। यहां भर्ती करने के बाद सुबह 11 से 12 बजे के बीच उसने दम तोड़ दिया। सरकारी लैब में हुए मेकएलाइजा टेस्ट में छात्र को डेंगू होना पाया गया है।

अधिकृत तौर पर पुष्टि में 15 दिन से ज्यादा लग गए

छात्र के पिता ने बताया 17 अगस्त को बुखार आने पर बेटे को सामान्य दवा-गोली दी। बाद में ठीक लगा तो शाम में घूमने भी गया। 18 अगस्त को फिर बुखार आया तो देर शाम क्लिनिक पर दिखाया। वहां से वापस घर ले आए तो देर रात फिर तबीयत बिगड़ी। 19 अगस्त की सुबह 6 बजे हमने निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

यहां जांचें हुईं और इलाज के दौरान ही छात्र की मौत हो गई। हॉस्पिटल ने रिपोर्ट विभाग को भेज दी थी। मलेरिया विभाग का कहना है कि हमें अस्पताल से इस बारे में 29 अगस्त को रिपोर्ट प्राप्त हुई। उसके बाद सैंपल को मेकएलाइजा जांच के लिए सरकारी लैब में भेजा। वहां से 3 सितम्बर को नई रिपोर्ट आई। उसी आधार पर डेंगू माना गया है इसलिए अधिकृत तौर पर मौत की पुष्टि में 15 से ज्यादा दिन लग गए।

मप्र में कब तक किराये के आंगन में खेलेंगे नौनिहाल

25 फीसदी आंगनवाड़ियों के पास नहीं अपना भवन

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश में नौनिहाल अब भी किराये के आंगन में खेलने व पढ़ने को मजबूर हैं। दरअसल प्रदेश के 55 जिलों में 25 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्र किराए के घरों में संचालित किए जा रहे हैं। इनमें व्यवस्थाएं भले आधी-अधूरी हों, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग को तीन से चार हजार रुपये किराया प्रतिमाह चुकाना पड़ता है। इसकी वजह यह है कि विभाग के पास केंद्र संचालित करने के लिए खुद के भवन नहीं हैं।

मध्य प्रदेश सरकार ने पूर्व में आंगनवाड़ी केंद्रों को खुद के भवनों में संचालित करने के साथ ही प्ले स्कूल में बदलने की योजना बनाई थी। यह योजना अब अधिकारियों की अनदेखी से फाइलों में बंद हो गई है। प्रदेश

के 55 जिलों में कुल 97 हजार 329 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनमें आंगनवाड़ी 84 हजार 465 और मिनी आंगनवाड़ी 12 हजार 864 हैं। इनमें से विभाग द्वारा खुद के भवनों में 50 हजार 125 केंद्र और 21 हजार 696 अन्य शासकीय भवनों में संचालित किए जा रहे हैं, जबकि 25 हजार 508 आंगनवाड़ी केंद्र किराये के भवनों में संचालित किए जा रहे हैं।

भोपाल में 50 प्रतिशत केंद्र किराये से

भोपाल में भी आंगनवाड़ी केंद्रों का हाल सही नहीं है।

यहां संचालित हो रहे एक हजार 872 केंद्रों में से 50 प्रतिशत यानी 950 किराए के घरों में संचालित किए जा रहे हैं। जबकि सिर्फ 922 केंद्र ही विभाग के खुद के या सरकारी भवनों में चल रहे हैं।

प्रति आंगनवाड़ी 11.22 लाख का बजट

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मनरेगा के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को बनाने का जिम्मा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को दिया गया है। संशोधित बजट के हिसाब से प्रति आंगनवाड़ी के लिए 11 लाख 22 हजार रुपये का बजट रखा गया है।

प्रदेश में आंगनवाड़ियों की स्थिति

आंगनबाड़ी - 84465

मिनी आंगनवाड़ी - 12864

किराए के भवनों में संचालित - 25508

कुल आंगनवाड़ी - 97329

शासन स्तर पर चर्चा चल रही

प्रदेश में अधिकांश आंगनवाड़ी केंद्र शासकीय भवनों में संचालित किए जा रहे हैं। कुछ केंद्र हैं, जो किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। इनके लिए खुद के भवन बनाए जाने के लिए शासन स्तर पर चर्चा चल रही है।

-स्वर्णिमा शुक्ला, संयुक्त संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग

केंद्र सरकार ने किया सम्मानित

एमपी को टॉप अचीवर कैटेगरी इन सिटीजन सर्विसेज अवॉर्ड

सिटी चीफ भोपाल।

केंद्र सरकार द्वारा बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान-2022 के सफल क्रियान्वयन के लिए मध्य प्रदेश को ह्यटॉप अचीवर कैटेगरी इन सिटीजन सर्विसेजह्ल में केंद्र सरकार ने सम्मानित किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेंद्र सिंह को सम्मान प्रदान किया। मध्य प्रदेश द्वारा उद्योगों एवं नागरिक सुविधाओं के लिए किए गए नवाचारों एवं प्रोसेस सिंपलीफिकेशन को डीपीआईआईटी (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) केंद्र सरकार के द्वारा सराहा गया है।

मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित ऑनलाइन

पोर्टल जैसे श्रम सेवा पोर्टल, इन्वेस्ट पोर्टल, ई नगरपालिका, आरसीएमएस, साइबर तहसील, संपदा, एमपीई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल आदि पर उपलब्ध सेवाओं के मूल्यांकन आधार पर प्रदेश को यह अवॉर्ड दिया गया है। मध्य प्रदेश में ईज ऑफ लिविंग एवं ईज ऑफ डूइंज बिजनेस को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए सभी विभागों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। विभागों द्वारा अधिनियम एवं नियमों का सरलीकृत किया जा रहा है। नए अपग्रेड सिस्टम जैसे साइबर तहसील और संपदा 2.0 इसमें सहायक हैं।

बता दें, बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (ब्राप) उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार का कार्यक्रम है, जो भारतीय राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा व्यापार एवं नागरिक सुविधाओं में किए गए सुधारों का आकलन करता है। ब्राप के लक्ष्यों में सिंगल विंडो सिस्टम, ऑनलाइन भवन निर्माण अनुमति प्रणाली, निरीक्षण सुधार, श्रम एवं पर्यावरण सुधार शामिल हैं। बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (ब्राप) 2022 के अंतर्गत केंद्र सरकार ने 25 सुधार क्षेत्रों (15 व्यापार एवं 10 नागरिक केंद्रित) श्रेणी में 95ह्ल से अधिक अंक प्राप्त करने वाले राज्यों को ह्यटॉप अचीवर्सह्ल श्रेणी में रखा है। मध्यप्रदेश को एक नागरिक केंद्रित सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये सम्मानित किया गया है।

वैध-अवैध की कवायद के बीच खुद ही संज्ञान लेकर अफसरों ने रोक दी राशि

मदरसों को अब तक नहीं मिली दो माह पहले जारी हुई राशि

सिटी चीफ भोपाल।

मदरसों को करीब दो माह पहले लोक शिक्षण संचालनालय से जारी की गई राशि को प्रदेश के कई जिला शिक्षा अधिकारियों ने रोक रखा है। इनमें दूर दराज के जिलों से हटकर ऐन राजधानी का जिला शिक्षा मुख्यालय भी शामिल है।

जानकारी के मुताबिक राज्य शासन द्वारा अनुदान प्राप्त मदरसों को रिपेयर, मेंटेनेन्स एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन के लिए हर साल 25 हजार के मान से राशि आवंटित की जाती है। सूत्रों का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय ने 26 जून को इस मद के लिए राशि जारी कर दी थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु जारी यह राशि प्रथम एवं द्वितीय त्रैमास हेतु (अप्रैल 2024 से सितम्बर 2024) के लिए जारी की गई थी। जानकारी के मुताबिक लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रथम किश्त के रूप में 30 लाख 56 हजार की स्वीकृति दी थी। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश के कुल 1208 अनुदानित मदरसों के लिए यह जारी की थी। इस राशि से मदरसों को रिपेयर, मेंटेनेन्स एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन कार्य करवाना है। इसके लिए प्रथम तिमाही किस्त के रूप में हर मदरसा को 1800 दिए जाना हैं। सूत्रों का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय ने मदरसों के लिए राशि जारी करते हुए ताकीद की थी कि जिला शिक्षा अधिकरियों को आवंटित इस राशि को कोषालय के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर तत्काल आवश्यक रूप से ई-बैंकिग के माध्यम से सीधे मदरसों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी जाए। इस पत्र में यह भी कहा गया था कि विलंब की स्थिति में इसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी का होगा। जून माह में जारी की गई राशि का उपयोग सितंबर 2024 तक किया जाना था, लेकिन जानकारी के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों द्वारा अब तक इस राशि का वितरण नहीं किया है। इस अव्यवस्था में राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कई जिला शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि जून माह में जारी की गई मदरसों की राशि के बाद ही प्रदेश में मदरसों को लेकर एक सियासी घमासान शुरू हो गया है। वैध और अवैध की चर्चा के बीच सैकड़ों मदरसों की मान्यता निरस्त कर दी गई। इसके बाद भी बड़ी संख्या में मदरसों पर अब तक तलवार लटकी हुई है। सूत्रों का कहना है कि इन हालात को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारियों ने स्वतः ही संज्ञान लेकर शासन से आवंटित हो चुकी राशि को रोक लिया है। इस मामले में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मदरसों को लेकर जो भी मतभेद हैं, वह अवैध और नियम विरोधी काम करने वालों के लिए है।

ओवरटेक करते समय हुआ हादसा

तेज रफ्तार कार की टक्कर से मैनिट के छात्र की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के नेहरू नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने आगे जा रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मधुरम चौराहे के नजदीक शुक्रवार रात हुए इस हादसे में बाइक सवार युवक को गंभीर चोट आई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक द्वारा ओवरटेक करने की कोशिश में यह हादसा हुआ। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मर्ग कायमी के बाद पुलिस ने मामले को विवेचना में ले लिया है। कमला नगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आकृति

ईको सिटी बावड़ियाकलां में रहने वाले राहुल सिंह (32) पुत्र जेबी सिंह शुक्रवार रात रात करीब नौ बजे घर से दोस्त से मिलने जाने का बोलकर निकले थे। दोस्त से मुलाकात के बाद देर रात वह घर लौट रहे थे। तभी रामेश्वरी गेट के पास उन्हें पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल राहुल को जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात करीब डेढ़ बजे उनकी मौत हो गई।

उनके बड़े भाई अशोक सिंह ने बताया कि राहुल एमटेक करने के बाद मैनिट से पीएचडी कर रहे थे।

कैसे ठीक होगा रोग, मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 13 दवाएं मिलीं अमानक

भोपाल। मध्य प्रदेश में रोगियों को रोग से अधिक दर्द सरकारी व्यवस्था दे रही है। जो दवाएं खाकर रोगी खुद के ठीक होने की उम्मीद लगाए रहता है, वही दवाएं गुणवत्ता में फेल हो रही हैं। एक-दो नहीं बल्कि इस वर्ष अभी तक 13 दवाएं गुणवत्ता जांच में अमानक मिल चुकी हैं। किसी में दवा का पावडर कम मिला है, किसी में दूसरी कमियां सामने आई हैं। अलग-अलग जिलों के सरकारी अस्पतालों से विभिन्न लैब में भेजे गए सैंपलों की जांच में इसकी पुष्टि हुई है।

वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का बड़ा फैसला, विधानसभा में नए सिरे से होगी भर्ती

पूर्व स्पीकर के कार्यकाल में निकाली गई 21 पदों की भर्तियों पर रोक

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश विधानसभा में पूर्व स्पीकर गिरीश गौतम के कार्यकाल में निकाली गई 21 पदों की भर्तियों पर वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रोक लगा दी है। अब नए सिरे से पदों की गणना कर और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

विधानसभा में 27 जून 2023 को स्टेनो टाइपिस्ट, शीघ्रलेखक, सहायक ग्रेड-3, समिति सहायक और सुपरवाइजर विधायक विश्राम गृह के 21 पदों के लिए आवेदन बुलाए गए थे। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। बता दे लोकसभा चुनाव के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की विधानसभा सचिवालय ने कार्यवाही शुरू की थी।

भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने का प्रमुख कारण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और अन्य आरक्षित वर्गों के पदों की संख्या में अनियमितता बताया जा रहा है। इन भर्तियों में ईडब्ल्यूएस कोटे के लिए पर्याप्त संख्या में पदों का प्रावधान नहीं था, साथ ही महिला आरक्षण और अन्य आरक्षित वर्गों के लिए भी सही गणना नहीं की गई थी।

भर्ती प्रक्रिया में देरी और विधानसभा सचिवालय में कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त पदों की संख्या में भी वृद्धि हो चुकी है। इसलिए, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के निदेशानुसार, पहले से जारी भर्तियों की प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया है। अब नए सिरे से रिक्त पदों की गणना और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए भर्तियां की जाएंगी।

नए सिरे से होगी रिक्त पदों की गणना

विधानसभा प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि विधानसभा में पूर्व में जारी रिक्त पदों की भर्तियों को फिलहाल निरस्त कर दिया गया है। अब रिक्त पदों की नई गणना कर और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए फिर से भर्तियां की जाएंगी।

सेटर्न एट अपोजिशन की घटना में होगा पृथ्वी का शनि से सामना

शनिदर्शन का खगोलीय मुहूर्त आज, सबसे पास और सीध में होगा शनि

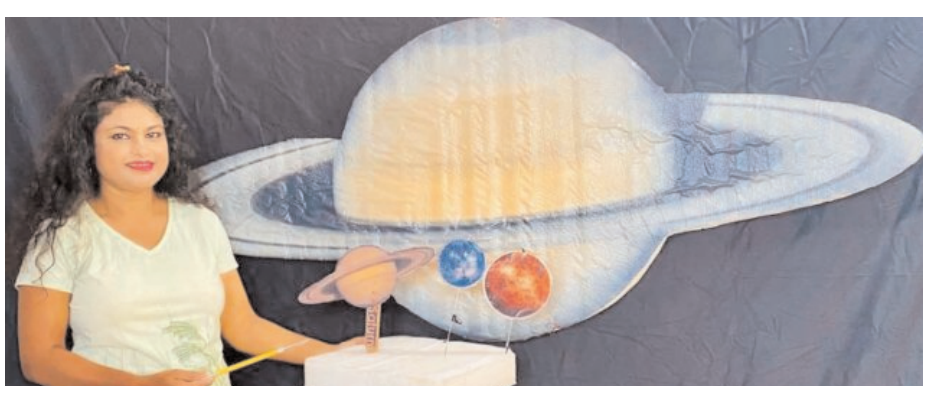

सिटी चीफ भोपाल।

रविवार 8 सितम्बर की शाम के पूर्वी आकाश में आपका सामना सीध तथा पास में आए शनि (सेटर्न) से होने जा रहा है। सूर्य की परिक्रमा करते हुये शनि और पृथ्वी आज इस प्रकार की स्थिति में होंगे कि पृथ्वी से देखने पर एक ओर शनि तो दूसरी ओर सूर्य होगा।

इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुये नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि रविवार को शनि और सूर्य के बीच परिक्रमा करती पृथ्वी पहुंचेगी। इस घटना को सेटर्न एट अपोजिशन कहते हैं। शनि और इसके रिंग को तुलनात्मक रूप से सबसे अच्छा और बड़ा देखने के लिये यह सबसे अच्छा अवसर होगा। सारिका ने बताया कि पूर्वी आकाश में सायं 7 बजे के बाद शनि उदित होकर रात भर आकाश में रहकर सुबह लगभग 5 बजे पश्चिमी आकाश में अस्त होगा। वैसे तो शनि ग्रह को बिना यंत्र की मदद से देखा जा सकता है लेकिन टेलिस्कोप की मदद से इसके चमकदार रिंग को अच्छे से देखा जा सकेगा। इस समय पृथ्वी से देखने पर शनि के रिंग के अधिकांश भाग पर सूर्य का प्रकाश पड़ रहा होगा जिससे वे अधिक चमक के साथ दिखेंगे। इसे सीलिगर प्रभाव कहा जाता है।

सारिका ने बताया कि शनि के पृथ्वी से पास रहने पर भी उसकी दूरी 129 करोड़, 52 लाख 27 हजार किमी से अधिक होगी। इस दूरी पर भी शनि से प्रकाश किरण आने में लगभग 72 मिनिट लगेंगे। तो तैयार हो जाईये समीप आये शनि से सामना की खगोलीय घटना को देखने के लिये।

सम्पादकीय

स्वच्छता के मामले में अभी बहुत कुछ करना बाकी

आज यदि छोटे-बड़े शहरों में कचरा एकत्र करने का काम सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है तो यह स्वच्छ भारत अभियान की देन है लेकिन स्वच्छता के मामले में अभी बहुत कुछ करना शेष है। अब जब इस अभियान के दस वर्ष पूरे होने जा रहे हैं तब फिर यह देखा ही जाना चाहिए कि आगे क्या कदम उठाए जाने आवश्यक हैं?

ब्रिटेन की प्रख्यात विज्ञान पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के प्रभाव का सकारात्मक उल्लेख किए जाने पर प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना बनता है कि इस अभियान ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के मामले में बाजी पलटने वाला काम किया है। उक्त पत्रिका के अनुसार स्वच्छ भारत अभियान के क्रियान्वयन के बाद पूरे भारत में शौचालयों के निर्माण में तेजी से वृद्धि हुई और शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी देखी गई। यदि स्वच्छता अभियान से हर वर्ष 70 हजार नवजातों की जान बच सकी तो यह एक बड़ी कामयाबी है। आज से दस वर्ष पहले जब स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया गया था, तब उसके सफल होने के आसार कम ही थे, क्योंकि अतीत में ऐसे अभियान कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके थे, लेकिन स्वच्छता के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के चलते अनुकूल नतीजे सामने आए। इस अभियान के तहत बड़े पैमाने पर शौचालयों का निर्माण तो किया ही गया, लोगों को उनका इस्तेमाल करने के लिए भी प्रेरित किया गया। यह आसान काम नहीं था। स्वच्छता की महत्ता के प्रति लोगों को जागरूक करने का ही यह परिणाम है कि आज लोग सार्वजनिक स्थानों में गंदगी फैलाने से हिचकते हैं। आज यदि छोटे-बड़े शहरों में कचरा एकत्र करने का काम सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है तो यह स्वच्छ भारत अभियान की देन है, लेकिन स्वच्छता के मामले में अभी बहुत कुछ करना शेष है। अब जब इस अभियान के दस वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, तब फिर यह देखा ही जाना चाहिए कि आगे क्या कदम उठाए जाने आवश्यक हैं? यह इसलिए, क्योंकि कचरे के निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन पा रही है। इसके चलते दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में भी कचरे के पहाड़ खड़े हो गए हैं। इसी तरह कई शहरों में कचरे को एकत्र कर बाहरी इलाकों में जमा कर दिया जाता है। वह यूं ही पड़ा रहता है, क्योंकि उसके निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं है। एक समस्या यह भी है कि कुछ ही शहरों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित किया जा पा रहा है। यह हर हाल में किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे ही वेस्ट टू वेल्थ का उद्देश्य पूरा होगा। कचरे का सही तरीके से निस्तारण स्वच्छ भारत अभियान की प्राथमिकता बननी चाहिए। इसी क्रम में यह भी देखा जाना चाहिए कि पालीथीन और प्लास्टिक का उपयोग कैसे कम हो। यह ठीक नहीं कि न तो पालीथीन के उपयोग को कम किया जा पा रहा है और न ही प्लास्टिक के चलन को नियंत्रित करने में सफलता मिल रही है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाम लगाने का अभियान कागजों पर ही अधिक है। स्वच्छता अभियान के प्रति लोगों को और जागरूक होने की आवश्यकता है और यह समझने की भी कि आधुनिक जीवनशैली कहीं अधिक कचरा पैदा कर रही है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : भयमुक्त वातावरण में हो रहा सब कुछ, घाटी के लोगों के लिए नई बात

जम्मू-कश्मीर में स्कूल-कॉलेजों का बंद रहना और हड़तालों का आयोजन अब बीती बात हो गयी है, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर रोक लग गयी है, सीमा पार से होने वाली गोलीबारी बंद हो गयी जिससे सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को जब-तब भाग कर बंकरों में छिप कर जान बचाने से आजादी मिली। 370 हटने से पुलिस, सेना और अन्य जांच एजेंसियों के बीच ऐसा अच्छा समन्वय बना कि जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था की नाकामी के चलते होने वाली आपराधिक घटनाओं में 97 प्रतिशत की गिरावट आ गयी और आतंकवाद संबंधी घटनाएं पहले से घटकर आधी से भी कम हो गयीं।

इस बार का विधानसभा चुनाव इस मायने में भी खास है कि कश्मीर घाटी में परिवारवादी दलों के दिन अब लदते नजर आ रहे हैं। श्रीनगर के हृदय माने जाने वाले लाल चौक का नजारा बता रहा है कि यहां की जनता इस बार चौंकाने वाला जनादेश देने जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की ओर से नामांकन दाखिल किये जा रहे हैं। विभिन्न दलों के स्थानीय नेता तो चुनाव प्रचार में उतर ही चुके हैं साथ ही बड़ी पार्टियों के राष्ट्रीय नेता भी चुनाव प्रचार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पहुँच रहे हैं। गलियों और मोहल्लों में जनसंपर्क अभियान चल रहा है, रोड शो निकाले जा रहे हैं, घर-घर जाकर नेता लोगों से वोट मांग रहे हैं। जनता भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। यह सब कुछ भयमुक्त वातावरण में हो रहा है जोकि कश्मीर घाटी के लोगों के लिए नई बात है। जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं उन युवाओं ने तो ऐसा माहौल पहले कभी देखा भी नहीं था।

इस बार का विधानसभा चुनाव इस मायने में भी खास है कि कश्मीर घाटी में परिवारवादी दलों के दिन अब लदते नजर आ रहे हैं। श्रीनगर के हृदय माने जाने वाले लाल चौक का नजारा बता रहा है कि यहां की जनता इस बार चौंकाने वाला जनादेश देने जा रही है। कश्मीर घाटी में एक समय आतंक और अलगाववादियों का राज था लेकिन आज यहां विभिन्न चौक-चौराहों पर तिरंगा लहरा रहा है, खासकर लाल चौक पर शान से आसमान को छूता तिरंगा सबका ध्यान आकृष्ट करता है। अब घाटी में पर्यटकों का जमावड़ा बिना किसी खौफ के लगता है। लाल चौक पर जहां पहले शाम के बाद कोई नहीं दिखाई देता था आज वहां देर रात तक चहल पहल रहती है और विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को देखकर लोग कश्मीरी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से रूबरू होते हैं।

नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेता के रूप में जब तिरंगा यात्रा का लाल चौक तक नेतृत्व किया था तब वहां तिरंगा फहराने का मतलब जान से खेलना था लेकिन उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद कश्मीर ऐसा बदला कि आज लाल चौक का शांत और खुशहाल नजारा पूरे कश्मीर के बदलाव को प्रतिबिंबित करता है। अगर आप हाल ही में कभी लाल चौक गये होंगे या श्रीनगर शहर का दौरा किया होगा तो आपने देखा होगा कि कैसे स्मार्ट सिटी अभियान के तहत इस क्षेत्र का कायाकल्प हो गया है। कश्मीर घाटी में किये गये विकास के बलबूते भाजपा को उम्मीद है कि यहां की जनता इस बार परिवारवादी दलों की बजाय उसका साथ देगी।

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाये हुए पांच साल पूरे हो चुके हैं और इस दौरान जम्मू-कश्मीर ने वो खुशी देख ली है जो बीते तीन-चार दशकों में उससे छीन ली गयी थी। सिर्फ पांच सालों में आतंकवाद, अलगाववाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद जैसी समस्याओं पर काबू पाना और राज्य की अर्थव्यवस्था को फिर से अपने पाँव पर खड़ा कर देना किसी चमत्कार से कम नहीं है। जिस कश्मीर घाटी में पहले आईएस और पाकिस्तान के झंडे लहराये जाते थे आज वहां यह सब बंद हो गया है और हर घर पर तिरंगा फहरा रहा है। लाल चौक में तिरंगा फहराने पर पहले गोली लगने का खतरा रहता था लेकिन आज नये रंग रूप में लाल चौक पर शान से फहराता तिरंगा हर किसी को नये कश्मीर का अहसास करा रहा है। यही नहीं, भारत के राष्ट्रीय ध्वज का विरोध करने वाले हुर्रियत जैसे अलगाववादी संगठन के कार्यालय पर भी तिरंगा लहरा रहा है।

विपक्ष भले आज भी 370 की वकालत कर रहा हो लेकिन देश देख रहा है कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाया तो जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद पर रोक लग गयी। पत्थरबाजी पूरी तरह बंद हो गयी, धर्मस्थलों से धार्मिक तकरीरों की बजाय राजनीतिक और भड़काऊ भाषण दिये जाने बंद हो गये, कश्मीरियों के बच्चों को अलगाववादियों की ओर से बहका कर गलत राह पर ले जाना बंद हो गया, आतंकवाद के प्रति लोगों की सोच में ऐसा परिवर्तन आया है कि अब सुरक्षा बलों के ऑपरेशन की राह में बाधा नहीं पैदा की जाती बल्कि उनकी मदद की जाती है और कई उदाहरण तो ऐसे भी देखने में आये जब ग्रामीणों ने ही आतंकवादियों को दबोच कर उन्हें सुरक्षा बलों को सौंप दिया।

जम्मू-कश्मीर में स्कूल-कॉलेजों का बंद रहना और हड़तालों का आयोजन अब बीती बात हो गयी है, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर रोक लग गयी है, सीमा पार से होने वाली गोलीबारी बंद हो गयी जिससे सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को जब-तब भाग कर बंकरों में छिप कर जान बचाने से आजादी मिली। 370 हटने से पुलिस, सेना और अन्य जांच एजेंसियों के बीच ऐसा अच्छा समन्वय बना कि जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था की नाकामी के चलते होने वाली आपराधिक घटनाओं में 97 प्रतिशत की गिरावट आ गयी और आतंकवाद संबंधी घटनाएं पहले से घटकर आधी से भी कम हो गयीं।

यही नहीं, जम्मू-कश्मीर में अब किसी एक परिवार का शासन नहीं चलता बल्कि निचले स्तर तक लोकतंत्र मजबूत हो गया है। पहली बार डीडीसी के चुनाव संपन्न हुए, पहली बार त्रि-स्तरीय पंचायती राज तंत्र जम्मू-कश्मीर में कायम हुआ, इसके तहत 33274 जनप्रतिनिधि चुने गये। यही नहीं हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव भी शांतिपूर्ण रहे जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया और उमर अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती जैसे परिवारवादी नेताओं को हार का स्वाद चखा दिया।

पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर के बुनियादी ढांचे का इस तरह विकास किया गया है कि यह केंद्र शासित प्रदेश आज बड़े से बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन कर सकता है। हाल ही में श्रीनगर में जी-20 देशों की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम भी श्रीनगर में ही आयोजित किया गया जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया।

श्रीनगर में पहला मल्टीप्लेक्स खुला और अब धीरे-धीरे घाटी के कई इलाकों में सिनेमाघर खुल चुके हैं और हाउसफुल भी चल रहे हैं। जम्मू-कश्मीर का सुरक्षा वातावरण सुधरने का लाभ यह हुआ कि यहां पर्यटकों की संख्या हर साल नये रिकॉर्ड बना रही है जिससे पर्यटन उद्योग के लिए स्वर्ण काल शुरू हो गया है। कश्मीर में पहले से प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के विकास और सौन्दर्यीकरण के अलावा उन क्षेत्रों को भी पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है जो खूबसूरत होने के बावजूद अभी तक पर्यटक केंद्र नहीं बन पाये थे। साथ ही डल झील अपने इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा साफ नजर आ रही है।

बदलते जम्मू-कश्मीर की नयी तस्वीर को देखेंगे तो पाएंगे कि इस केंद्र शासित प्रदेश को हजारों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं। विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे ब्रिज चेनाब में बन रहा है जोकि कश्मीर में है। इस केंद्र शासित प्रदेश में एम्स, आईआईएम और आईआईटी की स्थापना का कार्य चल रहा है। यहां पिछले पांच सालों में सैंकड़ों पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और 39 सुरंगों के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है जिससे आने वाले दिनों में हर मौसम में जम्मू-कश्मीर में कहीं भी आवागमन सुनिश्चित हो सकेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत जम्मू-कश्मीर को मिली परियोजनाओं ने यहां की तकदीर और तस्वीर, दोनों बदल कर रख दी है।

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में अब केंद्रीय योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों को मिल रहा है, भूमिहीनों को सरकार जमीन दे रही है, युवाओं को नौकरी मिल रही है, स्वरोजगार की चाह रखने वालों को कौशल प्रशिक्षण और कारोबार खड़ा करने के लिए आसानी से कर्ज मिल रहा है, सभी धर्मों के लोग अपने पर्वों को शांतिपूर्वक मना पा रहे हैं, अमरनाथ यात्रा सफलता के साथ संपन्न हुई, वार्षिक खीर भवानी मेले में भारी भीड़ जुटने लगी है और मुहर्रम का जुलूस निकलने लगा है। इसके अलावा, कश्मीरी पंडितों के सुरक्षा हालात में बड़ा सुधार आया है, उनके लिए रोजगार से लेकर आवास तक की व्यवस्था की गयी है। आतंकवाद के दौर में तबाह कर दिये गये हिंदू मंदिरों का जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, कश्मीरी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। कश्मीर में दूरदराज के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार हासिल करने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती क्योंकि प्रशासन खुद उनके पास चलकर जाता है।

देखा जाये तो जम्मू-कश्मीर में इस समय विकास की नई बहार बह रही है। आप जम्मू या श्रीनगर जैसे बड़े शहरों में चले जाइये या फिर किसी दूरदराज के सीमायी इलाकों में स्थित गांवों में, हर जगह आपको बुनियादी ढांचा परियोजनाओं संबंधी निर्माण कार्य होते या सरकारी योजनाओं के लाभों के प्रति लोगों को जागरूक करते कार्यक्रम आयोजित होते दिख जायेंगे। दूरदराज में कई पहाड़ी इलाके हैं जहां आजादी के बाद से अब तक विकास नहीं पहुँचा था लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद से हालात में बदलाव आया है। दूरदराज के पंचायत क्षेत्रों में ग्राम सभाओं की लंबे अरसे से लंबित मांगों को पूरा किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे स्कूल-कॉलेज और अस्पताल तो बन ही रहे हैं साथ ही सड़क संपर्क को भी सुधारा जा रहा है जिससे स्थानीय निवासियों के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। देखा जाये तो कश्मीर के गांवों में रहने वालों को असल आजादी तब मिली जब उन्हें कच्चे घरों से मुक्ति मिली। जम्मू-कश्मीर के तमाम गांवों में आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत ग्रामीणों को पक्का घर मिला। आजादी के 75 साल बाद पहली बार सड़क, पुल संपर्क, बिजली का कनेक्शन और पक्के मकान पाकर ग्रामीण खुश हैं। अब खुद चलकर मूलभूत सुविधाएं दरवाजे पर आ रही हैं तो लोगों को यकीन नहीं हो रहा है।

इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में खेल सुविधाओं के विकास और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल स्पधाओं के आयोजन की वजह से यहां नये नये खिलाड़ी निकल रहे हैं। खेलो इंडिया आयोजन में केंद्र शासित प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपने जोश, उत्साह और प्रतिभा से सबका दिल जीत लिया। बदलते हुए माहौल में खेल आयोजनों से खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हुए हैं और उनके मन में भी अपने देश का नेतृत्व करने का भाव जागा है। साथ ही, जम्मू-कश्मीर के किसानों के अच्छे दिन आ गये हैं क्योंकि तकनीक का उपयोग सिखाकर उनकी लागत कम की गयी है और फसल व उत्पाद की गुणवत्ता सुधरने से उनका मुनाफा बढ़ा है।

जम्मू-कश्मीर की इस बदली तस्वीर की चर्चा और सराहना यहां के लोग भी खूब कर रहे हैं। आज जब कश्मीर के हालात पर कोई बाहरी व्यक्ति सवाल उठाता है तो खुद कश्मीरी वीडियो बनाकर उसे सबूत के साथ जवाब देते हैं। बदले माहौल और विकास के यह सबूत देखकर ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भी भारत के साथ जुड़ने की मांग होने लगी है। मोदी सरकार ने दिल्ली और कश्मीर के दिल के बीच की दूरी भी घटा दी है। पहले दिल्ली से कोई मंत्री कश्मीर जाता था तो वह एक बड़ी घटना होती थी क्योंकि महीनों या सालों बाद ऐसा होता था

जैन दस लक्षण धर्म विशेष

उत्तम क्षमा : कलह छोड़ क्षमा को धारें

क्षमा आत्मा का स्वभाव है। सहिष्णुता, समता और सौजन्य क्षमा की पर्याय हैं। क्षमा की निष्पत्ति संस्कृत के 'क्षमु' धातु से हुई है। यह सामर्थ्य और क्षमता के अर्थ से प्रयुक्त है। सामर्थ्य और क्षमता सम्पन्न व्यक्ति ही क्षमा धारण कर सकता है। क्षमा का एक अर्थ धरती और वृक्ष भी है। धरती सारी दुनिया के भार को सहती है। सबके पदाघात को सहन करती है। किसी का कोई प्रतिकार नहीं करती है। यह धरती की महानता है। इसी कारण इसे क्षमा कहा जाता है। वृक्ष शीत, गर्मी और वर्षा की बाधाओं को प्रतिकार रहित सहन करते हैं। तब उनके मीठे फल लगते हैं वृक्ष पर पत्थर मारने पर भी वह मीठे फल देता है। यही उसकी महानता है। धरती और वृक्ष की भाँति सहिष्णु व्यक्ति ही क्षमा जैसे गुण धारण कर सकते हैं। क्षमा धारण करना विशिष्ट क्षमतावान महान आत्माओं के ही वश की बात है।

आज के युग में क्षमा के लिये एक नया शब्द चल पड़ा है - सॉरी,सॉरी में क्षमा का भाव नहीं है। क्षमा अतंरग का भाव है। क्षमा तीन परिस्थितियों में की जाती है - (1) मजबूरी में (2) स्वार्थ वश (3) वास्तविक। क्रोध को उत्पन्न ही नहीं होने देना वास्तविक क्षमा है।

गलतफहमी इससे बहुत जल्दी मनो मालिन्य हो जाता है। मन में शंका की दरार पड़ जाती है। इस गलतफहमी के कारण सूत न कपास जुलाहों से लट्ठम् लट्ठा की कहावत चरितार्थ हो जाती है। जिसके प्रति विश्वास हो उसके प्रति मिस अन्डर स्टण्डिंग या गलतफहमी नहीं होती है। यदि किसी के प्रति कोई गलतफहमी हो गई है, तो उसका निराकरण करना चाहिये। गहराई में जाकर सच्चाई का पता लगाना चाहिये। अपना पक्ष बता देने और सामने वाले का पक्ष सुन लेने से गलतफहमी का निराकरण हो जाता है। अन्यथा संशय और फिर कलह उत्पन्न हो जाती है।

शास्त्रों में चार प्रकार के क्रोध बताये हैं। क्रोध से कलह होती है।

क्रोध के चार प्रकार यह है (1) पत्थर की लकीर - कभी न मिटने वाली लकीर (2) धरती की लकीर - यह लकीर मौसम बदलने पर मर जाती है (3) धूल की लकीर - यह लकीर भी जल्दी मिट जाती है (4) पानी की लकीर - खींची नहीं कि मिट जाती है। संत पहले स्तर पर तो क्रोध को आने ही नहीं देते हैं। आ भी जाये तो वह जल की लकीर की भांति होता है।

सन्तों ने कलह निवारण के उपाय भी बताये है - (1) सहिष्णुता का विकास (2) समग्रता का चिन्तन (3) विनोद प्रियता (4) मौनधारण - कलह को टालने का सरल उपाय है मौन। नीतिकार कहते हैं मौनेन कलहा नास्ति मौन धारण करने से कलह नहीं होती। एक अंग्रेजी विचारक ने लिखा है मौन स्वर्ण निर्मित आभूषण है।

क्षमा की आज आराधना की है। क्रोध का अभाव कर, बैर व विरोध की गांठ न बंधने दें। यह भी संकल्प लें कि मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे क्षमा करें, सब जीवों के प्रति मेरे मन में मैत्री हो, किसी के प्रति भी बैर न हो। हमारा यथा संभव प्रयास हो - किसी से कलह न हो। कभी कलह हो जाये तो तत्काल उसका निवारण करना चाहिये। यही गृहस्थ की उत्तम क्षमा है।

आरोपी से मत छीनिए उसके अधिकार

यह देखते हुए कि हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली को लेकर देश भर में एक खास तरह का खौफ बना हुआ है, गंभीर आपराधिक मामलों में भी आरोपियों को जमानत देने का सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला स्वागतयोग्य माना जाना चाहिए। इस फैसले ने विचाराधीन कैदियों में यह भरोसा पैदा किया है कि उनकी स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और निजता का अब अनुचित हनन नहीं हो सकेगा। मनीष सिसोदिया बनाम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने 9 अगस्त को कहा, संविधानवाद और कानून के शासन का पैरोकार हमें होना चाहिए, जिसकी स्वाभाविक राह स्वतंत्रता है। उसने आगे कहा, जमानत नियम है और जेल अपवाद, जिसमें निष्पक्ष व त्वरित सुनवाई का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में निहित है।

सिसोदिया मामले में सांविधानिक स्थिति की व्याख्या करने के बाद अदालत ने कविता बनाम ईडी (27 अगस्त, 2024) के मामले में भी यही बात दोहराई कि अनुच्छेद 21 के तहत मिला व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार वैधानिक प्रतिबंधों से ऊपर है और आरोपी को बिना सुनवाई के लंबे समय तक जेल में रखकर उसे बिना मुकदमे के सजा नहीं दी जानी चाहिए। प्रेम प्रकाश बनाम भारत संघ (28 अगस्त, 2024) मामले में भी न्यायालय ने यही कहा कि व्यक्ति की स्वतंत्रता सदैव नियम है और इससे वंचित किया जाना अपवाद। अदालत ने निर्णय सुनाते हुए कहा कि मुकदमे के शीघ्र पूरा होने की उम्मीद में किसी व्यक्ति को असीमित समय के लिए सलाखों के पीछे रखना अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों का हनन करना होगा। पूर्व के इन फैसलों के अनुरूप ही 2 सितंबर, 2024 को विजय नायर बनाम ईडी केस में दो सदस्यीय पीठ ने लंबे समय तक जेल में रहने और जल्द ट्रायल होने संबंधी आरोपी के अधिकार के आधार पर विजय नायर को जमानत दी है।

बहरहाल, उल्लेखनीय यह भी है कि धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा 45 की व्याख्या करते हुए अदालत ने प्रेम प्रकाश को राहत देते समय विश्वास करने के उचित आधार की वकालत की। उसने कहा कि अदालत को जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्रियों के आधार पर यह देखने की जरूरत है कि क्या आरोपी के खिलाफ वास्तव में कोई मामला बनता है? पीएमएलए के तहत हिरासत में लिए गए आरोपी के बयान के संबंध में अदालत ने दोहराया कि हिरासत में लिया गया शख्स ऐसा नहीं होता, जिसे स्वतंत्र दिमाग से काम करने वाला माना जा सके और आरोपी के खिलाफ ऐसे बयान को स्वीकार्य बनाना बेहद असुरक्षित होगा, क्योंकि इस तरह की कार्रवाई निष्पक्षता और न्याय के सभी सिद्धांतों के खिलाफ होगी। अदालत के इस तरह के रुख से सरकार को भी सहमत होना चाहिए और कानून की समीक्षा करते हुए ऐसे प्रावधान करने चाहिए कि बिना जमानत यदि आरोपी को हिरासत में रखा जाता है, तो उसकी एक उचित अधिकतम मियाद हो। जाहिर है, अदालत ने संविधान की प्रधानता और अनुच्छेद 21 के महत्व को स्थापित किया है। नारकोटिक ड्रग्स ऐंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेज ऐक्ट, 1985 (एनडीपीएस ऐक्ट) के तहत दर्ज फ्रैंक विट्स बनाम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य तीन के मामले में 8 जुलाई, 2023 को अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि जब तक अभियुक्त को दोषी नहीं ठहराया जाता, तब तक उसे निर्दोष मानना चाहिए और जमानत की जो शर्तें अभियुक्त की निजता के अधिकार का उल्लंघन करती हैं, वे अनुच्छेद 21 का उल्लंघन मानी जाएंगी। उसने आगे कहा कि जमानत की ऐसी शर्त, जिसका पालन करना अभियुक्त के लिए संभव नहीं है, वह नहीं लगाई जा सकती। इस प्रकार, कानून में आवश्यक सुरक्षा उपायों की बात कहकर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वाभाविक ही अभियुक्त के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए निर्णायक हस्तक्षेप किया है। प्रतिष्ठित न्यायाधीशों ने यह सुझाते हुए न्यायिक दूरदर्शिता का ही परिचय दिया है कि कानून के इरादे तो नेक हैं, पर उनके पालन में विकृतियां हैं और सांविधानिक आदेशों का पालन न करने से राष्ट्र भ्रष्टाचार और अपराध से लड़ने के लिए आगे नहीं बढ़ सकेगा।

तर्क और मौलिक अधिकारों की पवित्रता पर आधारित ये अदालती फैसले समाज में एक स्थायी ताकत के रूप में कानून के प्रति लोगों का सम्मान बढ़ाने का काम करेंगे। इनमें आश्वस्त करने वाला एक संदेश निहित है कि अन्याय के खिलाफ आवाज बेशक कमजोर हो, लेकिन वह हर हाल में सुनी जाएगी और अविवेकी रूप से लागू किए गए कानून में न्याय उलझकर नहीं रहने पाएगा। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां न्यायिक तौर पर यह भी पुष्ट करती हैं कि गैर-जवाबदेह ताकत और स्वतंत्रता के बीच अंतर्निहित तनाव में समाधान स्वतंत्रता के पक्ष में ही होगा।

न्यायालय ने न्याय को ही सही ठहराया है, जिसकी महिमा कानून के सबसे प्रिय सिद्धांतों में भी शुमार है- फिएट जस्टिटिया रुआट कैलम (लातीन मुहावरा), जिसका अर्थ है कि चाहे आकाश ही क्यों न गिर जाए, लेकिन न्याय किया जाना चाहिए, यानी परिणाम की परवाह किए बगैर न्याय होना चाहिए। जमानत पर आया फैसला एडमंड बर्क सहित तमाम दार्शनिकों के विचारों को प्रतिध्वनित करता है कि स्वतंत्रता अविनाशी समाज के महान आदिम अनुबंध का एक हिस्सा है, जो सभी भौतिक और नैतिक प्रकृतियों को उनके नियत स्थान पर रखता है। (एडमंड बर्क, रिफ्लेक्शंस ऑफ द रिवॉल्यूशन इन फ्रांस, 1866)

हालांकि, सांविधानिकता का मकसद तभी सबसे बेहतर तरीके से पूरा हो सकता है, जब अदालत अपने मौलिक आदेशों का क्रियान्वयन हर हाल में सुनिश्चित करे, ताकि सभी के लिए स्वतंत्रता और सम्मानपूर्ण जीवन का जो वायदा हमारा जीवंत संविधान करता है, उसे हासिल किया जा सके। यह वह युग है, जिसमें सांविधानिक मयार्दा का अभाव दिखता है। ऐसे में, संविधान का उल्लंघन करने वालों को आईना दिखाने के साथ-साथ अदालत को यह भी आश्वस्त करना होगा कि महज आरोप लगा देने मात्र से किसी के मान के साथ खिलवाड़ न हो सकेगा। उम्मीद है, न्यायालय का यह घोषित स्वतंत्रतावादी दर्शन राजनीतिक दलों को अपनी राजनीति पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करेगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मानवाधिकारों की रक्षा समग्र रूप से लोगों और उनके द्वारा स्थापित संस्थानों का ही सामूहिक दायित्व है।

संत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, भिंड को मिला प्रतिष्ठित प्रोग्रेसिव रीडिंग स्कूल अवार्ड

प्रिंसिपल गीता रेडू को शैक्षिक हस्तियों ने दिया अवार्ड

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, अपनी स्थापना के समय से ही नित नए शैक्षिक कीर्तिमान स्थापित करने वाले संत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, भिंड ने इस बार राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त प्रोग्रेसिव रीडिंग स्कूल अवार्ड अपने नाम हासिल किया है। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टेन ऑडिटोरियम नई दिल्ली में संत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, भिंड की प्रिंसिपल गीता रेडू को तालियों की गड़गड़ाहट के मध्य प्रदान किया गया। प्राइमरी प्लस फाउंडेशन ने अवार्ड डिस्ट्रीब्यूशन के लिए यह भव्य शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल एजुकेशन एंड लिट्रेसी भारत सरकार के सेक्रेटरी संजय कुमार, सीबीएसई के सेक्रेटरी हिमांशु कुमार (आईएएस), एग्जाम कंट्रोलर सीबीएसई डॉ संयम भारद्वाज, डायरेक्टर नेशनल बुक ट्रस्ट युवराज मलिक आदि हस्तियां मौजूद थीं। सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों के देश भर से जुड़े सैकड़ों प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, भिंड की प्रिंसिपल को उनके स्कूल को बेस्ट कांप्रीहेंसिव एकेडमिक परफॉर्मेंस के लिए यह अवार्ड प्रदान किया गया है। अन्य मौजूद गणमान्य हस्तियों में डॉ दीपक वोहरा एंबेसडर, डॉ दीपक नरवल, इकोनॉमिक सीनेटर (यूके, ब्रुसेल्स), पद्मभूषण, पद्मश्री डॉ श्यामा चोना ,प्रेसिडेंट तमन्ना फाउंडेशन, प्रीतोष शर्मा, कोफाउंडर डायरेक्टर बड़ा बिजनेस, डॉ मुर्थी देवराभोतला, ग्लोबल चेयरमैन द डिप्लोमेटिक क्लब आदि शामिल रहे। संत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, भिंड की इस उपलब्धि के लिए संस्था के चेयरमैन डॉ विवेक यादव ने प्रिंसिपल गीता रेडू एवं समस्त शैक्षिक स्टाफ को बधाई दी है, साथ ही उनके उजवल भविष्य की कामना की है।

पंचनिष्ठाओं पर आधारित हमारा विचार और आधार - राजपाल सिसोदिया

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी कार्यालय पर पत्रकारवार्ता हुई आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे संगठन पर्व अभियान को लेकर शनिवार को जिला कार्यालय पर पत्रकारवार्ता आयोजित की गई। पत्रकारवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बहादुरसिंह चौहान, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजपालसिंह सिसोदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, जिला महामंत्री विजयसिंह बैंस, दिनेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी, जिला कार्यालय मंत्री विपुल कसेरा उपस्थित रहे। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बहादुरसिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 सितंबर को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हाथों पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर देशभर में संगठन पर्व का शुभारंभ किया है। प्रधानमंत्री के सदस्य बनने के साथ देशभर में संगठन पर्व का शुभारंभ हो गया है। मध्यप्रदेश में 3 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मप्र मंत्रिमंडल के सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर प्रदेश में संगठन पर्व का शुभारंभ किया है। प्रदेश प्रवक्ता राजपालसिंह सिसोदिया ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें 'पंचनिष्ठा' कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। इस संगठन पर्व का मुख्य उद्देश्य, देश में 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा घर-घर पहुंचकर सदस्यता अभियान को साकार करेगी।मध्यप्रदेश में 1.50 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है तथा जिले में 3 लाख का लक्ष्य है। सन 2014 से 2019 तक लगभग 18 करोड़ लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। कोरोना महामारी के कारण इस अभियान को रोका गया था, अब यह अभियान फिर से शुरू हो गया है और आगामी डेढ़ माह तक चलेगा। जब अमित शाह जी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, उस समय वर्ष 2014-15 में लगभग 5 से 6 महीनों तक यह सदस्यता अभियान चलाया गया था, तब पूरे देश में लगभग 11 करोड़ लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी और भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। भारतीय जनता पार्टी इस सदस्यता प्रक्रिया को संगठन पर्व कहती है, क्योंकि भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। उमंग और उत्साह के साथ यह पर्व शुरू हो गया है, जिसे साकार रूप पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता को करना है।

प्रदेश प्रवक्ता सिसोदिया ने कहा कि संगठन पहापर्व का प्रथम चरण 2 सितंवर से शुरू हो चुका है और 24 सितंवर 2024 तक चलेगा। जबकि दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक रहेगा। सक्रिय सदस्यता अभियान 16 से 31 अक्टूबर 2024 तक चलेगा तथा प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता रजिस्टर करने की तिथि 1 नवम्बर से 10 नवम्बर 2024 होगी। भाजपा का यह अभियान चार आयामों पर आगे बढ़ेगा। एक आयाम है मिस्ड कॉल 8800002024 जिसके माध्यम से लोग पार्टी से जुड़ सकेंगे। दूसरा आयाम है क्यू आर कोड। स्मार्ट फोन का उपयोग करने वाले लोग क्यू आर कोड के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। नमो एप के माध्यम सदस्यता गृहण की जा सकती है भारतीय जनता पार्टी की वेबसाइट के माध्यम से भी सदस्यता ग्रहण कर सकता है। जिले में 3 लाख लोगों को सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए जिला मंडल बूथ स्तर पर कार्यशाला का आयोजन करके अभियान को गति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह संगठन पर्व सर्वस्पर्शी होगा, जिसमें शीर्ष से बूथ स्तर तक सबको मौका दिया जाएगा कि वो पार्टी की सदस्यता ग्रहण करें। यह अभियान सर्वसमावेशी होगा, जिसमें सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से हर वर्ग को भारतीय जनता पार्टी से जुडने का अवसर दिया जाएगा।

घर-घर विराजे विघ्नहर्ता श्री गणेश

पंडालों में स्थापित हुई आकर्षक प्रतिमाएं

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, विघ्नहर्ता श्रीगणेश गली-चौराहों से लेकर घर-घर विराजित किए गए। मंगलमूर्ति के आगमन को लेकर बाजारों में भी खुब रौनक रही। बड़ा चौक में लगी दुकानों से मंगलमूर्ति को घर ले जाने के लिए कुछ सपरिवार पहुंचे तो कुछ ने बचों की पसंद का भी ख्याल रखा। वहीं दूसरी ओर विभिन्न पंडालों में स्थापित होने वाली प्रतिमाओं को समिति के सदस्य बैंड की धुन पर नाचते-गाते पंडाल तक ले गए। शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक का समय गणाधिपति की पूजन-अर्चन और महाआरती में बीता। इसी तरह स्थानीय गणेश मन्दिरों में भी गजानन के अवतरण के दिन विशेष पूजा-अर्चना के आयोजन हुए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भी महंगाई का असर सभी ओर देखने को मिल रहा है। यही कारण रहा कि गतवर्ष की तुलना में मूर्ति से लेकर मोदक और पूजन सामग्रियों के दामों में इजाफा हुआ है। इसके बावजूद लोगों ने सभी जरुरी चीजों की जमकर खरीददारी की। वहीं नगर में 100 से अधिक पंडालों में गजानन की मूर्तियां स्थापित हुई। गणेश स्थापना के साथ ही गौरी पुत्र की सुबह शाम नियमित पूजा का दौर आगामी 10 दिनों तक जारी रहेगा। खुब बिके मोदक और लड्डू गणेश चतुर्थी के दिन बाजार में विघ्नहर्ता के प्रिय लड्डू और मोदक की जमकर खरीदी हुई। होटल संचालकों ने गणेश चतुर्थी के लिए विशेष तैयारियां की हुईं थीं। होटल व्यापारी ने बताया कि मंगलमूर्ति को भोग लगाए जाने वाले लड्डू और मोदक 160 रुपए से लेकर 350 रुपए प्रतिकिलो तक दाम पर बिके हैं। गतवर्ष की अपेक्षा भाव अधिक हैं लेकिन

शाजापुर के अभयपुर में हुआ सड़क हादसा कंटेनर और ट्रक की टक्कर में युवक की मौत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, ट्रक से टकराने पर युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई से दिल्ली कोरियर का सामान लेकर जा रहा कंटेनर ग्राम अभयपुर के समीप आगे चल रहे ट्रक से जा टकराया। इस घटना में शिवराम पिता लेखराजसिंह उम्र 34 वर्षए निवासी नागरिया उत्तर प्रदेश की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुरू की पहल

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 10 सितंबर को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की गोली

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक बचे को कृमि मुक्त बनाना है। यह एक सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है जो कम समय में बड़ी संख्या में बचों तक पहुंचा है। मल से दूषित मिट्टी के माध्यम से फैलने वाले हेल्मिंथ कीड़े को मृदा संचारित हेल्मिंथ आंतों के परजीवी कीड़े कहा जाता है। मृदा-संचारित हेल्मिंथ संक्रमण से एनीमिया, कुपोषण, शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक विकास में कमी और स्कूल में कम भागीदारी हो सकती है। उक्त बातें शनिवार को सोमवारिया स्थित एमएलबी उमावि में विकासखंड शाजापुर के शहरी तथा ग्रामीण शालाओं के संस्था प्रधानों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कही। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्देश्य स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से 1 से 19 वर्ष की आयु के सभी बचों, स्कूल में नामांकित और गैर नामांकित को कृमि मुक्त करना है, ताकि उनके समग्र स्वास्थ्य, पोषण स्थिति, शिक्षा तक पहुंच और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। इसीको लेकर आगामी 10 सितम्बर को आंगनवाड़ी, स्कूलों में लक्ष्य समूह के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इस दौरान जो विद्यार्थी शेष रहेंगे उन्हें 13 सितंबर को गोली खिलाई जाएगी।

बैठक में कृमि मुक्ति दिवस आयोजन के संबंध में बीईई राजेश भारती, शहरी पर्यवेक्षक जॉय शर्मा, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक मोहन किचोलिया, जाफर शाह, विष्णुप्रसाद चावड़ा ने शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग से संकुल प्राचार्य पूनम त्रिवेदी, लाहौरी उमावि के प्राचार्य मोहनसिंह सौराष्ट्रीय, जन शिक्षक लोकेश राठौर, जगदीश भावसार, आरपी भिलाला, गोरेलाल बालोदिया, दिनेश मालवीय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के संबंध में आवश्यक रणनीति तैयार की। संचालन शिक्षक संजय कुमार सोनी ने किया। कार्यक्रम में 120 से अधिक संस्था प्रधान उपस्थित रहे

देवबन्द में आयोजित हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त हुई कुल 46 शिकायतें तीन शिकायतों का मौके पर ही किया निस्तारण

भूमि संबंधी विवादों को टीम बनाकर कराया जाए निस्तारित :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर), जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में तहसील देवबन्द में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम मनीष बंसल ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निदान करना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों व समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच प्राथमिकता है। स्म्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 11, खण्ड विकास अधिकारी देवबन्द की 03, खण्ड विकास अधिकारी नागल की 01, एसएचओ देवबन्द की 06, एसएचओ नागल की 03, पुर्ति निरीक्षक देवबन्द की 05, विद्युत विभाग की 04, ईओ देवबन्द की 01, पंचायती राज विभाग की 02, पूर्ति विभाग की 03, चकबन्दी की 03, नलकूप की 01, खण्ड शिक्षा अधिकारी देवबन्द की 02 एवं जल निगम की 01 कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से तीन शिकायतें मौके पर ही निस्तारित कर दी गयी। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ शिकायतकर्ता को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि भूमि संबंधी विवादों को राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर निस्तारित कराया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर रोहित सिंह सजवाण ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस संबंधी शिकायतों का निष्पक्षता, बिना किसी भेदभाव एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, उपजिलाधिकारी देवबन्द अंकुर वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा जनसुनवाई अवधि के दौरान औचक निरीक्षण किया जायेगा

जनसुनवाई होना नहीं पाये जाने पर कटेगा कार्यालय प्रमुख का एक दिवस का वेतन

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ
दमोह, जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा प्रत्येक मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनसुनवाई आयोजित कराये जाने के हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये है। विभिन्न माध्यमों से सूचना प्राप्त हो रही है कि जिले के कतिपय कार्यालयों में शासन से निर्धारित मापदण्ड अनुसार जनसुनवाई का आयोजन नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को स्पष्ट रूप से पुनः निर्देशित करते हुये कहा है कि अपने-अपने कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक शासन से जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनसुनवाई आयोजित की जाये। कलेक्टर ने कहा है मेरे द्वारा या अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भविष्य में औचक निरीक्षण किया जायेगा, जिसमें किसी कार्यालय में जनसुनवाई होना नही पाये जाने की स्थिति में संबंधित कार्यालय प्रमुख का 01 दिवस का वेतन काटे जाने की कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए संबंधित कार्यालय प्रमुख स्वयं उत्तरदायी होगा।

जिलाधिकारी ने पर्यावरणीय विकास की रूपरेखा एवं नदियों के पुनर्जीवन के लिए विशेषज्ञों के साथ किया मंथन

जिलाधिकारी ने एक माह में कार्ययोजना तैयार करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद में पर्यावरणीय विकास की रूपरेखा एवं नदियों के पुनर्जीवन के लिए मंथन किया गया। जनपद में पानी, नदी, तालाब व मौसम परिवर्तन संबंधी विकास योजना बनाने के लिए जीआईजैड इण्डिया एण्ड भारतीय नदी परिषद के विशेषज्ञों की टीम द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि आज के समय में पानी का घटता जल स्तर चिंताजनक है। यदि समय रहते इस पर ध्यान न दिया गया और आवश्यक कार्यवाही न की गई तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

उन्होंने जनपद के जल स्तर को बढाने के लिए हिंडन व नागदेही नदी के संबंध में प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए। इसी के साथ ढमोला नदी पर इन सी टू वेटलैंड बनाने एवं सिंघली नदी के पुनरूद्धार पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि इस पूरे प्रोजेक्ट में सिंचाई विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग अपनी मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस माह के अंत तक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ढमोला नदी में सिल्ट सफाई की जाएगी। हिण्डन नदी पर पौधारोपण करने के साथ अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस अवसर पर जी आई जेड के प्रोजेक्ट हेड कृष्ण त्यागी व जगदीश मेनन ने प्रस्तुतीकरण दिया। सिंचाई विभाग के अधिकारी विकास त्यागी ने नदियों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। भारतीय नदी परिषद के अध्यक्ष रमन कांत ने सहारनपुर की नदियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, नदी परिषद के विशेषज्ञ सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकासखण्ड नकुड़ में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे 2024 उन्मुखीकरण गोष्ठी का हुआ आयोजन

योजना में धांधली करने वालों पर की जायेगी सख्त कार्यवाही :- पीडी डीआरडीए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। परियोजना निदेशक डीआरडीए एवं खण्ड विकास अधिकारी नकुड़ प्रणय कृष्ण की अध्यक्षता में विकासखण्ड नकुड़ सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे 2024 उन्मुखीकरण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रणय कृष्ण द्वारा सभी प्रधानों एवं बीडीसी सदस्यों को आवास के लाभार्थियों के सत्यापन हेतु पात्रता एवं अपात्रता के मानक विस्तार से बताए गए तथा पात्रता-अपात्रता संबंधी पम्फलेट भी सभी को वितरित किए गये। उन्होंने कहा कि पात्रों का चयन खुली बैठक और घर-घर सर्वे के आधार पर किया जाएगा। एक भी पात्र को बेघर नहीं छोड़ा जायेगा। परियोजना निदेशक डीआरडीए ने कहा कि योजना में धांधली करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। सार्वजनिक स्थलों पर पात्रता- अपात्रता संबंधी मानकों को प्रदर्शित किया जायेगा। बैठक से तीन दिन पूर्व गांव में मुनादी कराकर प्रचार-प्रसार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर भी चयन पात्रों की रैंडम चैंकिग की जायेगी। आवास के लिये स्वत: पात्रता- परिवार जो आवास

विहीन है। एक या दो कमरे के कची दिवार और कची छत युक्त परिवार, निसहाय या भिक्षावृत्ति वाले परिवार,मैला ढोने वाले परिवार, आदिय जनजाति समूह, वैधानिक रूप से मुक्त बंधुआ मजदूर। इन्हें नहीं मिल सकता पी0एम0 आवास, ऐसे परिवार जिनके पास मोटर चलित तीन या चार पहिया वाहन या कृषि यंत्र, जिनके पास 50000 अथवा इससे अधिक का किसान क्रेडिट कार्ड है, ऐसे परिवार जिसमें कोई भी सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, ऐसे परिवार जिसका गैर कृषि उद्योग पंजीकृत हो, ऐसे परिवार जिसके किसी सदस्य की आय 15000 रूपये या उससे अधिक हो, ऐसे परिवार जो आयकर देयता हो, ऐसे परिवार जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि हो, वे परिवार जिनके पास 5 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि हो। गोष्ठी में प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष संजय चौधरी, ग्राम प्रधान सुरेन्द्र सैनी, विरेन्द्र राठौर, विनोद त्यागी, प्रदीप चौधरी, जसमेंर सिंह, नरेन्द्र सिंह आदि ग्राम प्रधान, बी0डी0सी0 सदस्य एवं सहायक विकास अधिकारी आई0एस0बी0 रामनाथ सिंह, प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत विकास कुमार, सहायक विकास अधिकारी कृषि सुशील कुमार समस्त ग्राम पंचायत सचिव तथा कार्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा।

प्रमुख सचिव स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ने की विभागीय समीक्षा

सैम बचों का कराया जाए नियमित परीक्षण :- प्रमुख सचिव लीना जौहरी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। प्रमुख सचिव स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग श्रीमती लीना जौहरी की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में श्रीमती लीना जौहरी ने बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सम्भव अभियान के अन्तर्गत चिन्हित सैम बचों का नियमित परीक्षण कराया जाये एवं अभियान चलाकर इन्हे सुपोषित किया जाये। उन्होंने कहा कि बाल विकास विभाग का कार्य केवल पुष्टाहार बांटना ही नहीं है अपितु अन्य सभी सामाजिक कार्यों का निर्वहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्रों पर पोषण वाटिका होनी चाहिए। टी.एच.आर पलान्ट की कार्यप्रणाली में सुधार एवं समय से पोषाहार वितरण हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं आंगनवाडी कार्यकत्रियां अपने दायित्वों का निर्वहन करें। लाभार्थी को राशन नहीं मिलने अथवा केन्द्र नही खुले होने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी

सुमित राजेश महाजन द्वारा जनपद में कराये जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रुपरेखा एवं आंगनवाडी केन्द्र भवन निर्माण, कायाकल्प लर्निंग लैब एवं पोषण भी पढ़ाई भी के अन्तर्गत चलाये जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति से अवगत कराया गया। पोषण ट्रैकर पर समस्त फिडिंग एवं प्रदेश में जनपद के उच स्थान के सम्बन्ध में भी प्रमुख सचिव को अवगत कराया गया। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा सराहना की गयी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बालसेवा योजना(सामान्य), स्पॉन्सरशिप योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजनाओं हेतु आवेदन पत्रों का खण्ड विकास अधिकारी एवं तहसीलदार के माध्यम से सत्यापन कराते हुए जनसामन्य को अधिक से अधिक लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं से लाभान्वित तथा संस्थाओं में निवासरत बचों को रोजगारपरक प्रशिक्षण यथा- कम्प्यूटर, सिलाई-कढ़ाई, क्राफ्ट प्रशिक्षण आदि कार्यक्रमों से जोड़ने हेतु निर्देशित किया। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि आगामी माह में शत-प्रतिशत से अधिक राजस्व प्राप्ति की जाए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा सहायक महानिरीक्षक निबंधन को 15 दिवस में बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विलेखों के स्केनिंग एवं डिजीटाईजेशन का कार्य इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण किया जाए। उन्होने निबंधन भवन बनाने हेतु भूमि का चिन्हीकरण कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपनिबंधक कार्यालयों में दिन प्रतिदिन होने वाले विलेखों के पंजीकरण हेतु उपस्थित पक्षकारों एवं जनसामान्य को कोई परेशानी न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। शासकीय कार्यालयों में बाहरी व्यक्तियों से कार्य न कराने के निर्देश दिए। जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता कम्पनी से कार्मिकों की नियुक्ति की जाए। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने प्रमुख सचिव को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाएगा। बैठक में उप महानिरीक्षक निबंधन अखिलेश दुबे, सहायक महानिरीक्षक निबंधन सहारनपुर बृजेश एस0चौधरी, शामली एस0एस0पाल, मुजफ्फरनगर वीरसेन, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्द लाल प्रसाद सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अफवाह निकली वेंकटनगर से दो एएसआई को लाईन हाजिर करने की सूचना

एसपी ने बताया किसी को नही किया गया लाईन हाजिर

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर। वेंकटनगर चौकी में पदस्थ दो एएसआई सुरेन्द्र अहिरवार एवं अरविंद राय को लाईन हाजिर कर दिए जाने की सूचना जिले भर में फैल गई। जिस पर दोनो एएसआई पर अनूपपुर से बिलासपुर जा रही प्लस्टिक और शीशी लोड़ ट्रक से 5 हजार रूपए मांगे जाने की शिकायत एसपी को मिली थी। लेकिन इस पूरे मामले में एसपी मोती उर्र रहमान ने उसे अफवाह बताया है। जानकारी के अनुसार दोनो कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक को एसपी ने 2 सितम्बर को पुलिस लाईन से वेंकटनगर चौकी के लिए नवीन पदस्थापना की थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 7 सितम्बर को वेंकटनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक क्रमांक सीजी 10 बीएन 9187 में प्लस्टिक और शीशी की आड़ में स्क्रेप और तांबा का अवैध तरीके से परिवहन सिंकू कबाड़ी द्वारा करते हुए बिलासपुर

भेजा जा रहा है। जहां सूचना पर वेंकटनगर चौकी प्रभारी अमरपाल यादव की उपस्थिति में उक्त ट्रक को सुबह लगभग 7 से 8 बजे की बीच रोका गया। सूचना पर मजदूरों को बुलाकर ट्रक की तलाशी ली गई। जहां तस्दीक के दौरान ट्रक में सूचना गलत मिलने पर उक्त ट्रक को दो घंटे बाद छोड़ दिया गया। लेकिन किसी ने उक्त ट्रक से दोनो एएसआई द्वारा 5 हजार रूपए मांगने की शिकायत एसपी मोती उर्र रहमान से कर दी। लेकिन पूरे मामले में जब एसपी मोतीउर्र रहमान से जानकारी ली गई तो उन्होने इस खबर को अफवाह बताया है, तथा वेंकटनगर से किसी भी एएसआई को लाईन हाजिर नही किए जाने की संबंध में जानकारी दी गई।

एसईसीएल शुरू कर रहा है 'प्रोजेक्ट धड़कन'।

जन्मजात हृदय रोग से प्रभावित बचों के बेहतर देखभाल को समर्पित है सीएसआर परियोजना

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, निदेशक कार्मिक श्री बिरंची दास की अध्यक्षता में एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम संपन्न सीएसआर अंतर्गत कोयलांचल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित करने के प्रयासों को गति देते हुए आज 'प्रोजेक्ट धड़कन' की शुरुआत की गई । इसके अंतर्गत एसईसीएल के परियोजना प्रभावित क्षेत्रों से जन्मजात हृदय दोष बचों की स्क्रीनिंग, निदान और सर्जिकल देखभाल प्रदान की जाएगी । इस हेतुआज मुख्यालय बिलासपुर में एसईसीएल और श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट, रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए । परियोजना अन्तर्गत एसईसीएल के कोयला खदान प्रभावित क्षेत्रों (रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, छत्तीसगढ़ के सरगुजा और मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, उमरिया) से चिन्हित जन्मजात हृदय दोष वाले बचों को आवश्यक चिकित्सा देखभाल एवं सर्जिकल उपचार श्री सत्य साई संजीवनी मातृ एवं शिशु अस्पताल, रायपुर में किया जाएगा। यह पहल गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने और आम जनों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस हेतु आयोजित समारोह में निदेशक (कार्मिक) एसईसीएल श्री बिरंची दास की गरिमामयी उपस्थिति में, श्री आलोक कुमार, महाप्रबंधक (सिविल/सीएसआर), सीएसआर विभाग, एसईसीएल मुख्यालय और श्री जगदीश राव, ट्रस्ट अधिकारी, श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एसईसीएल सीएसआर अंतर्गत कोयलांचल के लिए विभिन्न विकासात्मक कार्य करता रहा है । प्रोजेक्ट धड़कन इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी।

दमोह भाजपा कार्यालय में विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश

कार्यालय में स्थापना पूजन में जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह जिला महामंत्री गोपाल पटेल, कई अन्य उपस्थित रहे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्थी आज 7 सितंबर से दस दिवसीय गणेशोत्सव का प्रारंभ हो गया है भाजपा जिला कार्यालय में प्रतिवर्षानुसार विधिविधान से विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विराजित कराया। जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने भगवान श्री गणेश चतुर्थी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रथम पूय, रिद्धि सिद्धि के दाता, विघ्नों को हरणे वाले भगवान श्री गणेश जी को जिला कार्यालय में विराजमान कराया है प्रभु से यही प्रार्थना करते हैं कि हे विघ्नहर्ता संसार के सभी जन के विघ्नों को दूर करें। मां भारती का वैभव और कीर्ति संपूर्ण विश्व में प्रकाशपुंज की तरह चमकती रहे। श्री गणेश जी की स्थापना पूजन में जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, जिला मंत्री अरविंद उपाध्याय, कोषाध्यक्ष सुरेश पटेल जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार,मंडल अध्यक्ष कृष्णा राज ब्रजेश सिंह युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन, सोशल मीडिया संयोजक संदीप शर्मा, महेंद्र राठौर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजुल चौरहा, राकेश लोधी, स्वप्निल प्यासी सहित कार्यकर्ताओं उपस्थित रहे।

5 करोड़ का लोन दिलाने के नाम पर जबलपुर के बुजुर्ग के साथ 29 लाख की ठगी, इंदौर से भी जुड़े फर्जीवाड़े के तार

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 5 करोड़ रुपये लोन दिलाने के नाम पर एक शातिर ने 29 लाख रुपये ठग लिए। मामले में गोरखपुर थाना पुलिस (जबलपुर) ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।पुलिस ने बताया कि जबलपुर में आदर्श नगर निवासी जसपाल ओबेरॉय (75) की मुलाकात अभिमन्यु सिंह से हुई। अभिमन्यु ने 15 मार्च 2021 को उन्हें झांसा दिया कि वह पांच प्रतिशत कमीशन पर उन्हें पांच करोड़ रुपये का लोन दिला देगा। दो प्रतिशत एडवांस ले लिया। जसपाल ने आरोपी को 10 लाख रुपये का चेक 24 मार्च 2021 को दिया। इसके बाद अभिमन्यु ने कहा कि वह तीन करोड़ रुपये और लोन दिला देगा। इसके एवज में उसने दो प्रतिशत के हिसाब से 6 लाख रुपये और डबरा से ले लिए। यह रकम लेने अभिमन्यु ने योगेश पटेल को ओबेरॉय के पास भेजा। इसके बाद 19 अप्रैल को 5 लाख, 24 अप्रैल को चार लाख रुपये और ओबेरॉय ने दिए। इसके बाद अभिमन्यु ने उन्हें इंदौर बुलाया, जहां उसने बताया कि लोन पास हो गया है। वहां स्टाम्प पेपर खरीदने के एवज में 2 लाख 23 हजार रुपए और लिए। इसके बाद वह उन्हें अपनी फर्म एएसके एसोसिएट्स रागुन आर्केड, अबोव, यू-टर्न बिल्डिंग विजय नगर, इंदौर ऑफिस ले गया। जहां बताया कि 45 दिन में वह लोन पास कर उन्हें दे देगा, नहीं तो कमीशन के तौर पर ली गई रकम वापस कर देगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तब मामले की शिकायत ओबेरॉय ने पुलिस से की। जांच के बाद पुलिस ने अभिमन्यु पर एफआइआर दर्ज कर ली है।

अलीराजपुर पुलिस ने कुख्यात आरोपियों को करा गिरफ्तारी

पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिसकर्मियों का किया गया सम्मान

रिज़वान शेख । सिटी चीफ अलीराजपुर, अलीराजपुर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राजेश व्यास के द्वारा दिनांक 07.09.2024 को पुलिस कण्ट्रोल रूम अलीराजपुर में, थाना जोबट जिला अलीराजपुर के अपराध क्रमांक 281/24 धारा 394,395,34 भादवि एवं 25,27,आर्म्स एक्ट में घटना दिनांक 24.05.24 को कस्बा जोबट स्थित सत्यम वेलरी शॉप में घटना को अनजाम देने वाले कुख्यात आरोपी पानसिंह पिता लक्ष्मण तथा आरोपी सोमला पिता बदनसिंह को गिरफ्तार करवाने में सराहनीय कार्य के लिए होसला अफजाई हेतु निम्न पुलिस अधिकारी /कर्मचारीयों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

क्र.	पदनाम	नाम	पदस्थापना
1	एसडीओपी	नीरज नामदेव	एसडीओपी जोबट
2	निरी.	सोनू सिटोले	तत्कालिन थाना प्रभारी जोबट
3	निरी.	राजाराम बड़ोले	थाना बोरी
4	निरी.	छगनसिंह बघेल	थाना सोण्डवा
5	उनि.	मोहन डावर	थाना जोबट
6	उनि.	योगेन्द्र मण्डलोई	थाना आम्बुआ
7	उनि.	योगेन्द्र सजोतिया	थाना चांदपुर
8	उनि.	पन्नालाल चौहान	कण्ट्रोल रुम अलीराजपुर
9	उनि.	धनराज सेमिया	थाना जोबट
10	सउनि.	मनिष कुमार	चौकी सेजावाड़ा
11	सउनि.	सुदीप त्रिवेदी	र.के.अलीराजपुर
12	सउनि.	दीपक मालवयी	थाना जोबट
13	सउनि.	विक्रम लाखन	थाना जोबट
14	सउनि.	दिनेश नरगावे	थाना जोबट
15	सउनि.	अजय यादव	थाना जोबट
16	सउनि.	अरुण राठौर	थाना कोतवाली
17	प्रआर.06	दिलीप चौहान	सायबर शाखा डी.पी.ओ.अलीराजपुर
18	प्रआर400	मुकेश अमलियार	थाना आम्बुआ
19	प्रआर.393	सतीश वर्मा	थाना उदयदढ़
20	प्रआर.14	रमेश डावर	र.के. अलीराजपुर
21	आर.105	प्रमोद भयडिया	सायबर शाखा डी.पी.ओ.अलीराजपुर
22	आर.42	राहुल तोमर	सायबर शाखा डी.पी.ओ.अलीराजपुर
23	आर.74	गजेन्द्र निंगवाल	थाना जोबट
24	आर.453	मनीष चरपोटा	थाना जोबट
25	आर.28	निलेश वसुनिया	थाना जोबट
26	आर.122	लेखराम अवासे	थाना जोबट
27	आर.523	चेनसिंह भवर	थाना जोबट
28	आर.287	जयराम बघेल	थाना जोबट
29	आर.65	विशाल धारवाल	थाना बोरी
30	आर.49	प्रदीप वास्कले	थाना बोरी
31	आर.101	निलेश पाल	थाना चांदपुर
32	आर.128	दीपक रावत	र.के अलीराजपुर
33	आर.197	धनसिंह कनेल	थाना नानपुर
34	आर.201	प्रिंस डामोर	थाना उदयगढ़

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर बने शिक्षक

छात्र-छात्राओं को बताए पढ़ाई के सरल तरीके, जीवन जीने की कला भी सिखाई

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास नरसिंहगढ़ और पीएम श्री विद्यालय नरसिंहगढ़ के अलावा पीएम श्री विद्यालय मगरोन पहुंचे। उन्होंने नरसिंहगढ़ में छात्रों से कक्षा में चल रहे अध्यापन कार्य में पहुंचकर छात्रों से प्रश्न किया, उनकी बातें सुनी और अध्ययन के बेहतर तरीके किस तरह से अध्ययन किया जाए, जो उनके लिए बेहतर होगा, पढ़ाई के अछे टिप्स भी उन्होंने दिए। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने छात्रों से प्रश्न किये और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए, उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज अपने भ्रमण की शुरुआत नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास नरसिंहगढ़ से की। उन्होंने छात्रावास के कक्षों में पहुंचकर अवलोकन किया और यहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही परिसर में वार्डन से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने यहां पर शिक्षकों और वार्डन की संयुक्त बैठक लेकर उनकी बातें और समस्याएं सुनी तथा बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

शहीद प्रदीप पटेल की अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

विजयराघवगढ़ में हजारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के निवासी शहीद जवान प्रदीप पटेल की अंतिम विदाई पर समूचा विजयराघवगढ़ शोकाकुल है। पार्थिव देह पहुंचाने के बाद हजारों लोगों ने शहीद के वाहन के साथ चलते हुए उन्हें अपने घर तक पहुंचाया । जहां पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने वालों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा , प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, मंत्री लखन पटेल, सहित जिले के अधिकारी शामिल थे। इसके बाद सेना के बैंड नें शोक धुन बजाई। श्रद्धांजलि के बाद शहीद प्रदीप पटेल पार्थिक शरीर को सैनिक की गाड़ी से मुक्तिधाम शाहिद के परिजनों को लेकर पहुंची जहा मौजूद हजारों लोगों की आंखे नम हो गई। बिलखते माता पिता को विधायक संजय पाठक ने संभाला और जवानों ने गॉड ऑफ ऑनर दिया और शाहिद जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस अंतिम विदाई के बाद खजुराहो के सांसद वी डी शर्मा ने मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए बताया की ग्राम स्थित स्कूल का नाम शाहिद जवान के नाम पर रखने के अलावा शाहिद के पिता की इच्छा अनुसार ग्राम के शाहिद की मूर्ति लगाने की बात बताई वही शासन से मिलने वाली हर सहायता परिजनों तक पहुंचाया जाएगा। हरदुआ ग्राम में विधायक संजय पाठक के साथ प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह , राज्य मंत्री लखन पटेल भी मौजूद हैं।

बालाघाट, लालबर्रा के कजंई में कई दिनों से बंद पड़ा हेण्डपम्प, अब जा के सुधरा

अधिकारियों को अवगत करते ही तत्काल लिया गया एक्शन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कजंई में दयाराम बोहने और यादोराव रहांगडाले के घर के पास का हेण्डपम्प विगत कई दिनों से बंद पड़ा हुआ था जिस वजह से वार्ड में पानी कि काफी समस्या बनी हुई थी तथा वार्डवासियों को काफी दुरी तय करके पानी लाना पड़ता था जिस पर ग्राम सरपंच श्री आनंद बिसेन ने इस समस्या के संबंध में पीएचई विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया तथा तत्काल ही बंद पड़े हेण्डपम्प को सुधारने हेतु निवेदन किया गया जिस पर पीएचई विभाग के कर्मचारी आज टोले पर आकर हेण्डपम्प का सुधार कार्य किए जिससे वार्डवासियों को जो पानी कि समस्या उत्पन्न हो रही थी उस समस्या से निजात मिलेगा तथा वार्डवासियों ने सरपंच के इस कार्य कि सराहना भी किये है।

भिलाई में ट्रिपल मर्डर : गणेश चतुर्थी के दिन दो पक्षों में विवाद, डीजे पर डांस के दौरान तीन भाइयों की हत्या

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित नंदिनी थाना क्षेत्र में गणेश चतुर्थी के दिन एक हृदयविदारक घटना घटी, जब दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस झगड़े में तीन भाइयों की निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि दूसरे पक्ष का एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का कारण डीजे पर डांस के दौरान शुरू हुआ मामूली विवाद बताया जा रहा है। लेकिन विवाद के एक दिन बाद हत्या जैसी घटना में बदल गया। विवाद दो दिन पहले उस वक्त शुरू हुआ जब भगवान गणेश की प्रतिमा लाते वक्त डीजे बजाया जा रहा था। उत्सव की खुशी में लोग डांस कर रहे थे, तभी शीतला परा और यादव मोहल्ले गुट के लोगों के बीच डांस को लेकर कहासुनी हो गई। हालांकि जैसे-तैसे दोनों पक्षों के लोगों ने समझ-बुझाकर विवाद को शांत करा दिया।लेकिन शनिवार की रात पंडाल में गणेश प्रतिमा की स्थापना के दौरान एक बार फिर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। दरअसल, यादव मोहल्ले के राजेश यादव ने शीतला पारा के आकाश पटेल को फोनकर बुलाया। राजेश के फोन पर आकाश एक अन्य युवक के साथ गणेश पंडाल पहुंचा। इसी बीच राजेश ने शुक्रवार की रात उसके पिता के साथ हुए विवाद को लेकर आकाश से झगड़ने लगा। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि राजेश ने आकाश पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना के दौरान वहां राजेश के साथ उसका भाई करण यादव और चचेरा भाई वासू यादव भी मौजूद थे। इधर, आकाश पर चाकू से हमले की खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में शीतला पारा के लोग पहुंचे और तीन भाइयों करन, वासु, राजेश पर लाठी-डंडे से हमला कर उनकी हत्या कर दी। चाकू के हमले में शीतला पारा के घायल आकाश की हालत भी गंभीर बताई जा रही है, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश की शुरू घटना की सूचना मिलते ही नंदिनी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू की और अब तक 11 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ जारी है, और पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। नंदिनी थाना की पुलिस ने घटना को लेकर कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद डीजे पर डांस के दौरान शुरू हुआ था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इसे देखते हुए पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

सीईओ श्री प्रजापति ने आरसेटी संस्थान का निरीक्षण कर परिसर में पौधरोपण किया

देवास - बैंक ऑफ इंडिया का 119 वां स्थापना दिवस स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी एवं देवास मुख्य शाखा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु प्रजापति की उपस्थिति में मनाया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रजापति ने संस्थान का निरीक्षण किया और वर्तमान में संचालित ब्यूटी पार्लर प्रबंधन कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा कर मार्गदर्शन किया। उन्होनें आरसेटी द्वारा दिये जा रहे प्रशिक्षणों की सराहना की और प्रशिक्षणार्थियों से आग्रह किया कि वे रोजगार उत्पन्न करने के लिए वर्तमान में संस्थान द्वारा आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों के अलावा अन्य प्रशिक्षण संबधी सुझाव भी प्रस्तुत करें, जिससे प्रशिक्षण संस्थान को रोजगारमूलक प्रशिक्षण आयोजित करने में मदद मिलेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रजापति ने इस दौरान आरसेटी परिसर में पौधारोपण भी किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान निदेशक श्री राजवीर सिंह द्वारा बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भी सम्मान किया । इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री अहसन अहमद, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड श्री ओजस्वी दिक्षीत, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम सुश्री शीला शुक्ला, मुख्य प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया देवास श्री विकास कुमार एवं आरसेटी व मुख्य शाखा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा डीडीआरसी के सीडब्ल्यूएसएन हॉस्टल के मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया गया गणेश चतुर्थी का त्यौहार

सीडब्ल्यूएसएन हॉस्टल का किया गया औचक निरीक्षण

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा डीडीआरसी प्रांगण में स्थित चाइल्ड विथ स्पेशल नीड्स के हॉस्टल का औचक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर हॉस्टल में गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश मूर्ति स्थापना के दौरान पूजा और आरती में सम्मिलित हुए। गणेश चतुर्थी के प्रति बच्चों में उत्साह देखते ही बनता हैं। उन्होंने प्रथम पूज्य देव भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर गणपति स्थापना की। मूकबधिर छात्रों ने कलेक्टर का सांकेतिक भाषा में अभिनंदन किया। इस पर कलेक्टर नेहा मीना द्वारा भी सांकेतिक भाषा में हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इसके उपरांत कलेक्टर द्वारा बच्चों से साइन लैंग्वेज में नाम पूछा गया व नोटबुक में लिखकर चर्चा की गई , भोजन का समय होने से बच्चों से पूछा कि कैसा भोजन मिलता है। खाने की उत्तमता का परीक्षण करने हेतु, स्वयं खाना खा कर देखा गया। हॉस्टल का निरीक्षण कर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले को हॉस्टल में मच्छर जाली गेट और खिड़कियों में मच्छर जाली लगाने, साइन लेंग्वेज मॉड्यूल टीवी के माध्यम से चलाने के निर्देश दिए गए। शौचालय की स्थिति सुधारने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही एक बच्चे को खांसी होने पर तत्काल सीएमएचओ को डॉक्टर टीम भेज कर बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण करने को निर्देशित किया। निर्देश दिए गये की हॉस्टल में बच्चों के साथ अधीक्षक व दो सहायक हमेशा उपस्थित रहें। उपसंचालक सामाजिक न्याय को शाम समय आकस्मिक निरीक्षण हेतु निर्देशित किया गया। इसी के साथ डीडीआरसी के आस पास साफ सफाई कराने तथा लाइटिंग के उचित प्रबंध करने हेतु उपसंचालक सामाजिक न्याय पंकज साँवले को निर्देशित किया गया।

ओडिशा, आंध्र, तेलंगाना में तीन दिन भारी बारिश के आसार

हिमाचल में भारी बारिश से 47 सड़कें बंद

नई दिल्ली। तेलंगाना में हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ में 29 लोगों की मौत हो गई है। राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी के अनुसार 31 अगस्त से 3 सितंबर के बीच दर्ज की गई बारिश के आधार पर राज्य के 33 में से 29 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों को राहत कार्य चलाने के लिए तीन-तीन करोड़ रुपये जारी किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि दी जाएगी और जिला कलेक्टरों से जान गंवाने वाले 29 लोगों का ब्योरा भेजने को कहा गया है। वहीं आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राहत और पुनर्वास उपायों पर विचार-विमर्श के लिए सोमवार को बैठक करेंगे। राज्य सरकार ने प्रारंभिक अनुमान के अनुसार बारिश और बाढ़ से 5,438 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया है।

मौसम विभाग ने ओडिशा के हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र रविवार को दबाव में तब्दील हो सकता है, जिससे ओडिशा में अगले चार दिनों तक बारिश होने की संभावना है। मौसम बुलेटिन में कहा गया है कि यह सिस्टम अब उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक सुस्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र के रूप में स्थित है। आईएमडी ने कहा, इसके लगभग उत्तर की ओर बढ़ने और 8 सितंबर को उत्तर ओडिशा-गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल के तट पर

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद, अगले तीन दिनों के दौरान इसके गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।

कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने कहा कि पिछले 24 घंटों में राज्य में भारी बारिश हुई है, जिसमें बौड जिले के खैरमल में सबसे अधिक 81 मिमी बारिश हुई, इसके बाद गजपति के गोसानी में 79 मिमी बारिश हुई। बुलेटिन में कहा गया है कि अगले 24 घंटों के दौरान पुरी, खुर्दा, नयागढ़, कंधमाल, गंजम, गजपति, रायगढ़, कालाहांडी, नबरंगपुर, कोरापुट और मलकानगिरी में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश (7 सेमी से 11 सेमी) होने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने रविवार को गंजम, गजपति, रायगढ़, मलकानगिरी और कोरापुट जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी की है।

रविवार को केंद्रपाड़ा, खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर, कटक, नयागढ़, कंधमाल, कालाहांडी और नबरंगपुर जिलों के एक या दो स्थानों के लिए भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट भी जारी की गई है। जबकि मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे इस अवधि के दौरान ओडिशा तट, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के समुद्र में न जाएं। अजमेर जिले में भारी बारिश से हाल बेहाल हैं। राजस्थान के अजमेर जिले में लगातार भारी बारिश के कारण पुष्कर झील के 52 घाट पानी से भर गए हैं।

दिल्ली में मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी

राजधानी दिल्ली में शाम के वक्त तेज हवा चलने के साथ बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं बारिश के कारण राजधानी में अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे आ गया।

जबकि मौसम विभाग ने आज के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। साथ ही, हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान है। इससे अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है।

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र

आईएमडी ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके धीरे-धीरे उत्तर दिशा की तरफ बढ़ने और गहरे दबाव में बदलने की संभावना है। इसके प्रभाव से पश्चिम बंगाल के गंगा किनारे वाले क्षेत्र, उत्तरी ओडिशा, झारखंड और निकटवर्ती उत्तरी छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिन भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। ओडिशा में कुछ जगहों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है, जिसके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है।

छत्तीसगढ़- सुकमा में उफान पर नदी-नाले

वहीं छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में भारी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं, जिससे दर्जनों गांव मुख्य इलाकों से कट गये हैं। इससे आम लोगों को आवश्यक सामान हासिल करने और जिला मुख्यालय तक पहुंचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में तैनात सुरक्षाकर्मी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं और मानवीय सहायता भी प्रदान कर रहे हैं। सुरक्षाकर्मी बाढ़ में फंसे लोगों को भी निकाल रहे हैं।

राजस्थान- जयपुर में घरों में घुसा पानी

राजस्थान में राजधानी जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली और नागौर जिलों में भारी बारिश हुई है, जिससे आम जनजवीन अस्त-व्यस्त हो गया है। जयपुर में जगह-जगह जलभराव हो गया है। सड़कों पर लोगों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। अजमेर में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है और लोगों के घरों में पानी घुस गया है। दो दिन के लिए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बांसवाड़ा के लोहारिया में सर्वाधिक 169 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 8 और 9 सितंबर को कोटा, अजमेर, जयपुर संभाग के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

आंध्र के नौ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भारी बारिश और बाढ़ से बदहाल आंध्र प्रदेश को अभी राहत मिलने की उम्मीद नजर नहीं आ रही। मौसम विभाग ने एलुरु, अल्लूरी सीताराम राजू (एएसआर), पार्वतीपुरम मान्यम, श्रीकाकुलम, विजयनगरम, पश्चिम गोदावरी, पूर्वी गोदावरी, एनटीआर और कृष्णा जिलों में अगले दो दिन भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा की भी संभावना जताई है।

टिकट नहीं मिलने पर राजेश जून ने दिया इस्तीफा, निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया ऐलान

बीजेपी के बाद अब हरियाणा कांग्रेस में भी शुरू हुई बगावत

चंडीगढ़। हरियणा की 90 विधानसभा सीटों के लिए बीजेपी और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी थी। लेकिन लिस्ट जारी होने के बाद से बीजेपी और अब कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह शुरू हो गई है और पार्टी को अपने नेताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस नेता राजेश जून ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है और बहादुरगढ़ से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने मुझे धोखा दिया है। मुझे टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया। इतना ही नहीं, राजेश जून ने बकायदा 11 सितंबर को नामांकन दाखिल करने का एलान किया है। आपको बता दें कि राजेश जून का असंतोष पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान बहादुरगढ़ में हुए विद्रोह की याद दिलाता है, जब उन्होंने और एक

अन्य नेता ने राजिंदर सिंह जून की उम्मीदवारी का विरोध किया था। उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया था, लेकिन भूपिंदर सिंह हुड्डा के हस्तक्षेप के बाद उन्हें वापस ले लिया गया था। इस बार, राजिंदर सिंह जून को फिर से नामांकित किया गया है, जिसके कारण राजेश जून ने अपनी स्वतंत्र उम्मीदवारी की घोषणा की है। राजेश जून के अलावा बड़ौदा विधानसभा क्षेत्र से कपूर सिंह नरवाल ने भी असंतोष जताया है।

नरवाल ने दावा किया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उन्हें टिकट देने का वादा किया था, लेकिन इसके बदले इंदुराज सिंह नरवाल को टिकट दे दिया गया। कपूर सिंह नरवाल ने कहा, उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धोखा दिया है, मुझे नहीं। मैं कल निर्दलीय चुनाव लड़ने के बारे में फैसला लूंगा। उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि वे पार्टी छोड़ सकते हैं।

कांग्रेस को है उम्मीद

कांग्रेस की 32 उम्मीदवारों की पहली सूची में गढ़ी सांपला-किलोई से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और जुलाना से नई उम्मीदवार विनेश फोगट जैसे नाम शामिल हैं। राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान होडल से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस को उम्मीद है कि हरियाणा में भाजपा को हराने की उसकी संभावनाओं पर आंतरिक असंतोष का कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं, दूसरी तरफ राहुल गांधी द्वारा वोटों के बंटवारे को रोकने के लिए आप के साथ गठबंधन करने पर जोर दिए जाने के बाद केंद्रीय नेतृत्व को प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। हालांकि बुधवार को समझौते की घोषणा की गई थी, लेकिन आप द्वारा 10 सीटों की मांग के साथ बातचीत रुकी हुई है, जबकि कांग्रेस केवल पांच से सात सीटों की पेशकश कर रही है।

हरियाणा के पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य ने अब भाजपा से दिया इस्तीफा निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य ने विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। जींद जिले के सफीदों निवासी आर्य ने बीजेपी की ओर से टिकट नहीं दिए जाने पर निराशा जताई। उन्होने शनिवार को ही सफीदों सीट से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने इस बार जननायक जनता पार्टी के पूर्व विधायक रामकुमार गौतम को सफीदो से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मंत्री बचन सिंह आर्य साल 2019 के विधानसभा चुनाव में करीब 3 हजार वोटों से हार गए थे।

बचन सिंह ने कहा, मैं यह बात पहले भी कह चुका हूं। आज जनता ने मुझे पार्टी छोड़ने के लिए कहा और आपने देखा होगा कि 10 हजार लोगों की भीड़ थी। जब मैं भाजपा में शामिल हुआ तो जनता ने ही मुझसे यह कहा था। लोग उनके काम से संतुष्ट नहीं थे। साथ ही, जींद उनकी कार्यशैली के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाके के लोगों ने बीजेपी को नजरअंदाज किया है। अब मैं जनता के टिकट पर चुनाव लड़ रहा हूं। उन्होंने ही मुझे ऑफर दिया और मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। जनता को ही वोट देना है। जो लोग बाहर से आए हैं, उन्हें कभी जीत हासिल नहीं हुई।

भाजपा के कुछ और भी नेताओं ने दिया इस्तीफा

गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने से नाराज भाजपा नेता जीएल शर्मा ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों ने बताया कि शर्मा कांग्रेस में शामिल होंगे। इससे पहले टिकट के दावेदार भाजपा नेता नवीन गोयल ने भी अपने समर्थकों के साथ इस्तीफा दे दिया था। बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से राव नरबीर सिंह को टिकट दिए जाने के विरोध में बीजेपी कार्यकताओं ने विरोध मार्च भी निकाला। बैनर थामे प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल पहुंचे। भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने गुरुवार को पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने की घोषणा की।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के उपायों पर केंद्रित रही बैठक

सीडीएस चौहान ने मालदीव से की सैन्य संबंध सुधारने पर चर्चा

नई दिल्ली। सीडीएस जनरल चौहान ने शनिवार को मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बल के प्रमुख मेजर जनरल इब्राहिम हिल्सी से फोन पर बात की। बातचीत में दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को सुधारने पर चर्चा हुई, जो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नवंबर में पद ग्रहण करने के बाद काफी तनावपूर्ण हो गए थे।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही भारत और मालदीव की रक्षा संवाद की पांचवी बैठक में फैसला लिया गया कि मौजूदा रक्षा परियोजनाओं को तेजी से लागू किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, यह बैठक द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के उपायों पर केंद्रित थी। इस दौरान द्विपक्षीय प्रशिक्षण अवसरों को बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। बताया जा रहा है कि इस बैठक का प्रमुख विषय समुद्री सुरक्षा सहयोग था। राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यभार संभालने के बाद भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आ गई थी। मुइज्जू ने पद ग्रहण करने के कुछ घंटे बाद भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग की थी। जिसके बाद भारतीय सैन्य कर्मियों को नागरिकों से बदल दिया गया था।

मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण पड़ोसियों में से एक

मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण पड़ोसियों में से एक है। पिछली सरकार के दौरान भारत और मालदीव के बीच रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में संबंध आगे बढ़े थे। अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह ने भारत द्वारा वित्त पोषित ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना की शुरूआत की थी। ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना के तहत एक 6.74 किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण किया जाएगा, जो राजधानी माले को पड़ोसी द्वीपों विल्लिंगली, गुल्फिफल्हू और थिलाफुशी से जोड़ेगा।

उप्र के गांव में जांच करने पहुंचे सिपाहियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, वर्दी फाड़ी

सीतापुर। सीतापुर जिले के सदरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में जांच करने गई पुलिस टीम पर दबंगों ने हमला कर दिया। टीम में शामिल सिपाहियों को जमकर पीटा। उनकी वर्दी फाड़ दी। किसी तरह पुलिसकर्मी अपनी जान बचाकर वापस आए। पुलिस ने सात नामजद व पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सभी आरोपी फरार हैं। बेहड़ा गांव निवासी एक व्यक्ति की शिकायत के बाद शनिवार को सदरपुर थाने से आरक्षी महेंद्र कुमार हमराही साथी विपुल के साथ जांच के लिए हरैया गांव गए थे। हरैया में अजीम के घर पहुंचकर टीम ने जांच शुरू की। टीम अजीम से पूछताछ करने लगी। इसी बीच कई लोग लाठी-डंडा, हंसिया, भाला लेकर आ गए। सभी ने सिपाही को जमीन पर पटक दिया। उसकी वर्दी फाड़ दी। दोनों सिपाही किसी तरह जान बचाकर भागे। आरोप है कि अजीम ने साथियों संग काफी दूर तक जान से मारने की नीयत से दौड़ाया।

भारत-नेपाल के बीच बातचीत से सुलझ सकती हैं समस्याएं

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच की समस्याओं को खुले संवाद और सौहार्दपूर्ण माहौल से सुलझाया जा सकता है। पूर्व प्रशासक सूर्य नाथ उपाध्याय की पुस्तक इंटरनेशनल वाटरकोर्स लॉ: ए पर्सपेक्टिव ऑन नेपाल-इंडिया कोऑपरेशन के विमोचन के अवसर पर पीएम ओली ने कहा, नेपाल और भारत के बीच बहुत कम समस्याएं हैं, और अगर हम सौहार्दपूर्ण माहौल और खुले संवाद को बनाए रखें तो उन्हें सुलझाया जा सकता है।

पीएम ओली ने आगे कहा कि भारत हमारा मित्रवत पड़ोसी है और नेपाल और भारत की संस्कृति समृद्ध है,

इसलिए हमें खुले संवाद की आवश्यकता है। हमारी खुलकर बात न कर पाने की अक्षमता के लिए केवल भू-राजनीतिक स्थिति को दोष नहीं दिया जा सकता। हमें सत्ता हासिल करने और उसे बनाए रखने के किसी भी खेल में शामिल नहीं होना चाहिए। पहले, विदेशी संबंध देश की ताकत के आधार पर बनाए जाते थे और उन पर हावी होते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, किसी देश को अपने राष्ट्रीय हितों को अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों के अनुरूप उचित और न्यायसंगत तरीके से प्रस्तुत करना चाहिए।

2020 में भारत और नेपाल के बीच बना था तनाव

इस दौरान पीएम ओली ने जोर देकर कहा, साझा संसाधनों पर काम करते समय एकतरफा दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए।

यह आम सहमति और द्विपक्षीय चर्चा के आधार पर किया जाना चाहिए। 2020 में काठमांडू की तरफ से एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे, जिसमें तीन भारतीय क्षेत्रों - लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख - को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली ने बढ़ते घरेलू दबाव को रोकने के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल करने का प्रयास किया। पीएम ओली ने अतीत में नेपाल के आंतरिक मामलों में कथित रूप से हस्तक्षेप करने के लिए भारत की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। वहीं पूर्व प्रशासक सूर्य नाथ उपाध्याय ने कहा कि हिमालयी राष्ट्र को अभी तक नेपाल और भारत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह की तरफ से तैयार की गई रिपोर्ट नहीं मिली है। पूर्व नौकरशाह ने कहा, नेपाल और भारत के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच आम सहमति के आधार पर ईपीजी का गठन किया गया था। उन्होंने कहा, नेपाली पक्ष की ओर से रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए समय का कोई मुद्दा नहीं था। शायद भारतीय पक्ष इसके लिए उचित समय की व्यवस्था करेगा, उन्होंने कहा कि हिमालयी राष्ट्र को रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर चर्चा करना आसान होगा। चारों ओर से भूमि से घिरा नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। नेपाल इस क्षेत्र में अपने समग्र सामरिक हितों के संदर्भ में भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569